सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 222 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 26 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में शुरू होगी आदर्श शहर समृद्धि योजना, कस्बे व छोटे शहर भी होंगे विकसित

पहले चरण में 32 नगरीय निकायों का चयन

सीएम साय बोले- छोटे शहरों और कस्बों को भी मिलेगा आधुनिक विकास का नया मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। बड़े शहरों के साथ-साथ उभरते नगरों और कस्बों को भी आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' प्रारंभ की जा रही है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने योजना के प्रथम चरण के लिए 32 नगरीय निकायों का चयन किया है। योजना के तहत कार्यों के चयन, स्थल निरीक्षण और प्राथमिकता निर्धारण के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय (संभागीय) कार्यालयों के संयुक्त संचालकों की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समितियों का गठन भी किया गया है। समितियों को आगामी 15 दिनों के भीतर कार्यों का चिन्हांकन, स्थल निरीक्षण कर सूची तैयार करते हुए बजट की जानकारी सरकार को देने के निर्देश दिए गए हैं। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वय के लिए पांचों राजस्व संभागों में कार्यों के चयन एवं मॉनिटरिंग हेतु संचालनालय के यांत्रिकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सड़क, जलापूर्ति, ड्रेनेज से लेकर स्मार्ट सुविधाओं तक फोकस

आदर्श शहर समृद्धि योजना नागरिक जीवन को आधुनिक बनाने की दिशा में एकमॉडल के रूप में कार्य करेगी। योजना के अंतर्गत सड़क, ड्रेनेज, जलापूर्ति, परिवहन, पार्क, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक सेवाएं, रोजगार, व्यापार, उद्यमिता प्रोत्साहन, ई-गवर्नेंस, स्मार्ट ट्रैफिक, सुरक्षा प्रणाली, हरित क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, सुझाव, शिकायत निवारण तथा रिपोर्टिंग प्रणाली जैसे कार्य किए जाएंगे।

जनप्रतिनिधियों के समन्वय से होगा कार्यों का चयन

योजना के तहत निकाय अध्यक्षों, पार्षदों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से शहरों की आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकता तय कर कार्यों का चयन किया जाएगा। शहरों की स्थानीय आवश्यकताओं और जन अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों का चयन किया जाएगा। इसके लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समितियां गठित की गई हैं।

पहले चरण में इन नगरीय निकायों का चयन

आदर्श शहर समृद्धि योजना में बस्तर, सरगुजा और रायपुर संभाग के छह-छह, बिलासपुर संभाग के नौ तथा दुर्ग संभाग के पांच निकाय शामिल हैं। बस्तर संभाग के अंतर्गत सुकमा नगर पालिका के साथ भोपालपटनम, गीदम, केशकाल, पखांजूर और नरहरपुर नगर पंचायत को शामिल किया गया है। दुर्ग संभाग में पंडरिया और खैरागढ़ नगर पालिका के साथ गुरूर, घुमका और छुईखदान नगर पंचायतों का चयन किया गया है। रायपुर संभाग के अंतर्गत कुरूद, महासमुंद, आरंग और बलौदाबाजार नगर पालिका तथा पिथौरा एवं चंदखुरी नगर पंचायत को योजना में शामिल किया गया है। वहीं सरगुजा संभाग में सूरजपुर, पत्थलगांव और मनेंद्रगढ़ नगर पालिका के साथ लखनपुर, कोतबा और कुनकुरी नगर पंचायतों को शामिल किया गया है। बिलासपुर संभाग के अंतर्गत तखतपुर, मुंगेली, लोरमी, जांजगीर-नैला और सक्ती नगर पालिका के साथ बिल्हा, घरघोड़ा, पुसौर और सरिया नगर पंचायत को योजना के प्रथम चरण में शामिल किया गया है।

संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

" हमारी सुशासन सरकार बड़े शहरों के साथ-साथ उभरते नगरों और कस्बों के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आदर्श शहर समृद्धि योजना के माध्यम से नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना, जन सुविधाओं और रोजगार के नए अवसरों को सुनियोजित ढंग से विकसित किया जाएगा।

– विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री

व्यवस्थित विकास की महत्वपूर्ण पहल

" आदर्श शहर समृद्धि योजना छोटे और मध्यम शहरों के व्यवस्थित विकास की महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से सड़क, जलापूर्ति, ड्रेनेज, स्मार्ट सुविधाओं, हरित क्षेत्र और नागरिक सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। सरकार की प्राथमिकता हर नगर में अधोसंरचना और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

– अरुण साव, उप मुख्यमंत्री

खास-खबर

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पलटी बस, दरोगा समेत सात की मौत

उन्नाव। जिले में दिल्ली से गोरखपुर जा रही प्राइवेट स्लीपर बस मंगलवार सुबह पांच बजे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक दरोगा समेत सात यात्रियों की मौत हो गई। वहीं, तीन पुलिसकर्मी समेत 24 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के वक्त बस में 52 यात्री थे। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि पलटने के बाद100 मीटर तक घिसती चली गई। दिल्ली से गोरखपुर जा रही स्लीपर बस में कुल 52 यात्री सवार थे। तेज रफ्तार होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पुलिया से टकराने के बाद पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। करीब आधे घंटे बाद यूपीडा कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 24 घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

हाईवा से भिड़ी तेज रफ्तार पिकअप, दो युवकों की मौके पर मौत

जगदलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 63 पर सोमवार रात करीब 9:30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क के बीच खराब खड़ी हाइवा को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पिकअप में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर उपचार के लिए मेकाज भेजा गया। कोडेनार थाना प्रभारी अमित ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिकअप में तीन लोग एरंडवाल के बाजार से लौट रहे थे। मावलीभाटा के पास हॉस्टल के सामने एक हाइवा वाहन खराब होकर सड़क के बीच खड़ी थी। पिकअप चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए अंधेरे में हाइवा को नहीं देखा। इसके परिणामस्वरूप पिकअप सीधे हाइवा से जा टकराई। मृतक किलेपाल निवासी थे, जिनकी शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों को आसपास के लोगों की मदद से मेकाज पहुंचाया गया।

19 लाख के गबन का आरोपी सहायक डाकपाल गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। अकलतरा पोस्ट ऑफिस में पदस्थ सहायक डाकपाल को 19 लाख 21 हजार रुपए के गबन और धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर खाताधारकों के पैसे फर्जी तरीके से निकालने और रकम को शेयर मार्केट व जुए में लगाने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। बता दें अकलतरा डाकघर में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत मिलने के बाद गठित संयुक्त जांच टीम ने मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि सहायक डाकपाल संदीप कुमार मिरी (32 वर्ष), निवासी बलौदा, ने चार अलग-अलग खाताधारकों के खातों से कुल 19 लाख 21 हजार रुपए निकालकर गबन किया। इसके बाद पीड़ित खाताधारकों की शिकायत पर थाना अकलतरा में मामला दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण, मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। एक्स पर पोस्ट कर सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और विकास के नए युग की ओर अग्रसर है। इन 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखकर देश के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य हुआ है।

छत्तीसगढ़ के संदर्भ में यह यात्रा विशेष रूप से प्रेरणादायी रही है। दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में आज विकास, विश्वास और जनकल्याण की नई धारा प्रवाहित हो रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुँच दूरस्थ जनजातीय अंचलों सहित पूरे प्रदेश में सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, हर घर जल, जन-धन और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने गरीब, किसान, युवा, मातृशक्ति और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। अंत्योदय के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए विकास को जन-जन तक पहुँचाने का यह अभियान आज नए भारत की पहचान बन चुका है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है। समस्त छत्तीसगढ़वासियों की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री जी का पुनः अभिनंदन एवं आभार।

भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से ठगी बड़े नेता का पीए बताकर ऐंठे 10 हजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में साइबर ठगों ने अब जनप्रतिनिधियों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से खुद को पार्टी के बड़े नेता का निजी सहायक बताकर 10 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र की है, जहां शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने फोन कर खुद को भाजपा के वरिष्ठ नेता का पीए बताया और रास्ते में परेशानी में फंसने की बात कही। उसने डीजल भरवाने और यात्रा जारी रखने के लिए तत्काल पैसों की जरूरत बताकर मदद मांगी। बातचीत के दौरान उसने भरोसा जीतने के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कई भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें भी लगा रखी थीं। बताया गया कि विधायक पुरंदर मिश्रा ने स्थिति को सही मानते हुए जगन्नाथ मंदिर के सेवक नारायण मिश्रा के माध्यम से आरोपी के खाते में 10 हजार रुपए ट्रांसफर करवा दिए। कुछ समय बाद आरोपी ने दोबारा पैसों की मांग की, जिसके बाद विधायक को शक हुआ।

पुरंदर मिश्रा ने संबंधित नेता के कार्यालय में संपर्क कर जानकारी ली तो पता चला कि उस नाम का कोई व्यक्ति वहां कार्यरत ही नहीं है। इसके बाद ठगी का खुलासा हुआ और खम्हारडीह थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस मोबाइल नंबर और बैंक खाते के आधार पर जांच कर रही है। विधायक ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान नंबर से आने वाले कॉल पर भरोसा न करें। खासकर पैसों की मांग होने पर पहले पुष्टि जरूर करें।

गोदाम में 10 करोड़ का तेंदूपत्ता खाक

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार दोपहर निजी तेंदूपत्ता गोदाम में भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। वहां रखे लगभग 18 हजार बोरे जलकर खाक हो गए। शुरुआती अनुमान के मुताबिक 10 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग इतनी भीषण थी कि हालात को देखते हुए वन विभाग, पुलिस और नगर पालिका की टीम के अलावा सीआरपीएफ के जवान भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गए। वन विभाग ने तेंदूपत्ता स्टोरेज के लिए गोदाम को किराए पर लिया था। जहां बिना सुरक्षा इंतजाम के 10 दिनों में तेंदूपत्ता के 18 हजार बोरे स्टोर किए गए थे। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ईटपाल इलाके की है।

जशपुर में मोबाइल टावर पर युवती ने फांसी लगाकर दी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। कुनकुरी थाना क्षेत्र के धुमाडांड गांव की एक 22 वर्षीय युवती ने कुनकुरी थाने के सामने स्थित टावर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की मां के अनुसार, नीलिमा पिछले काफी समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और उसे मोबाइल देखने की ज्यादा आदत थी।

परिजनों ने बताया कि युवती का बगीचा सेमरडीह गांव के एक युवक के साथ प्रेम संबंध था और

वह उसी के साथ रहती थी। साल भर पहले भी एक मामूली विवाद के बाद उसने आम के पेड़ पर फांसी लगाने का प्रयास किया था, लेकिन समय रहते उसे बचा लिया गया था। मां ने बताया कि वह अक्सर मोबाइल पर फांसी लगाने से जुड़े वीडियो देखा करती थी, और मना करने पर भी नहीं मानती थी। घटना के एक दिन पहले दोपहर में किसी का फोन आने पर कहीं चली गई थी। रात आठ बजे जब मां ने उससे फोन पर बात की, तो उसने घर लौटने की बात कही। लेकिन वह वापस नहीं आई। पुलिस के अनुसार, रात करीब 3 बजे पेट्रोलिंग टीम को युवती होलीक्रॉस अस्पताल के पास घूमती हुई मिली थी।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : रिटायर्ड आईएएस निरंजन दास को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड आईएएस निरंजन दास को जमानत दे दी है। निरंजन पूर्व आबकारी आयुक्त रहे हैं। सीबीआई के मुताबिक, निरंजन सिंडिकेट का अहम हिस्सा था। किस जिले में कौन अधिकारी रहेगा, किसकी शराब बिकेगी और किस ब्रांड की सप्लाई होगी, यह सब तय करने का काम निरंजन करता था। इस घोटाले में उसे 30 करोड़ से ज्यादा का कमीशन मिला।

सुनवाई के दौरान कोर्ट में ये बताया गया कि, निरंजन ने आबकारी नीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई और उससे कुछ लोगों को फायदा पहुंचाया था। वहीं, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) से जुड़े भ्रष्टाचार और अवैध कमीशन मामले में कारोबारी अनवर ढेबर ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाई है। इस पर डिवीजन बेंच ने अनवर की याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सरकार से इस मामले में 3 जून तक जवाब मांगा है। इससे पहले 13 मई को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनवर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

केंद्रीय मंत्री चौहान की पुस्तक का विमोचन, सीएम साय हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं, कहा - जनसेवा के अनुभव समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन' के विमोचन समारोह में शामिल हुए। यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ के सार्वजनिक जीवन, आत्मीय संबंधों और कार्य अनुभवों पर आधारित है, जिसमें नेतृत्व, जनसेवा और व्यक्तिगत

संवेदनाओं को प्रेरक एवं भावनात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिवराज सिंह चौहान को पुस्तक के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन के अनुभवों को पुस्तक के माध्यम से समाज तक पहुँचाना एक प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास जनप्रतिनिधियों के अनुभवों, कार्यशैली और जनसेवा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील नेतृत्व की नई कार्यसंस्कृति विकसित हुई है। इस पृष्ठभूमि में सार्वजनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक निश्चित रूप से पाठकों को प्रेरित करेगी तथा नेतृत्व और समाजसेवा के विभिन्न आयामों को समझने का अवसर प्रदान करेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रीगण, देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नौतपा की तपिश से झुलसा छत्तीसगढ़ कई शहरों में पारा 45 डिग्री के पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नौतपा के पहले ही दिन छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जबकि दिनभर चल रही गर्म हवाओं और लू ने जनजीवन को प्रभावित किया। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

सोमवार को राजनांदगांव प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रायपुर में इस सीजन में पहली बार

तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचा। माना, मुंगेली, दुर्ग और बिलासपुर में भी भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी तापमान 44 डिग्री के आसपास रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर-चांपा, दुर्ग, राजनांदगांव और बस्तर सहित कई जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। राजधानी रायपुर में मंगलवार को भी मौसम शुष्क रहने का अनुमान है और तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है।

संपादकीय

एक और मिल्खा सिंह

गुरिंदरवीर की रिकॉर्ड दौड़ ने बढ़ाया राष्ट्रीय गौरव

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वत: ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे।

> “ महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक-पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान-सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों-करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने-निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव-कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता-पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख-सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है। गुरिंदरवीर सिंह के दिल में गांव और साधारण परिवारों में पले-बढ़े बच्चों के संघर्ष के प्रति खासा सम्मान है। वे उन हजारों नवोदित खिलाड़ियों के लिये प्रेरणापुंज हैं जो अपनी पृष्ठभूमि वाले एक खिलाड़ी को राष्ट्रीय फलक पर चमकता देख रहे हैं। निश्चय ही इस कामयाबी से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। यही वजह है कि इस ऐतिहासिक कामयाबी से पहले जालंधर की महिला खिलाड़ियों से उनका संवाद बेहद सहज-सरल व प्रेरणादायक था कि तुम्हें भी एकदिन यहां पहुंचना है। निश्चय ही उनका यह कथन नवोदित प्रतिभाओं में नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। निस्संदेह, विगत में भी पंजाब ने कई ऐसे खेल नायकों को जन्म दिया, जिन्होंने अभावों से जूझते हुए दृढ़ संकल्प से कामयाबी की नई इबारत लिखी। फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह से लेकर जालंधर एक्सप्रेस गुरिंदरवीर की कामयाबी उसकी गवाह है। जो नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने को प्रेरित करती है।

ऊर्जा की नई किरण भारत-ओमान समुद्री पाइपलाइन

प्रमोद जोशी

होर्मुज़ जलसंधि का रास्ता बंद होने और भारत में ऊर्जा-संकट के बादल गहराने से जुड़ी खबरों के बीच एक खबर को ज्यादा सुर्खियां नहीं मिल पाईं कि भारत, गहरे समुद्र में एक गैस पाइपलाइन परियोजना पर विचार कर रहा है, जो हमें ओमान से जोड़ेगी। भारत सरकार ने अब इस पर तेजी से काम करना शुरू किया है।

हाल में कुछ मीडिया स्रोतों ने पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारियों को उद्धृत करते हुए खबर दी है कि मंजूरी मिली, तो करीब 4.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली परियोजना खाड़ी क्षेत्र से निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। परियोजना को समय से हरी झंडी मिली, तब भी इसे पूरा होने में पांच से सात साल लगेंगे। उसके पहले इसके सभी आर्थिक और तकनीकी पहलुओं पर विचार करना भी ज़रूरी होगा।

सौ साल से ज्यादा समय से इसकी परिकल्पना चल रही है। इस पर यूपीए सरकार के दौर में भी बात चली थी। ओमान की वेबसाइट 'मस्कट डेली' की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार नई दिल्ली स्थित निजी क्षेत्र के कंसोर्शियम साउथ एशिया गैस एंटरप्राइज (सेज) द्वारा प्रस्तुत पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन पर विचार कर रही है, जो समुद्र तल की स्थितियों का अध्ययन करने के लिए 'टेस्ट-सेक्शन' बिछा रहा है।

'सेज' ने प्रस्तावित मार्ग पर लगभग 3,000 मीटर परीक्षण पाइपलाइन बिछाकर प्रारंभिक चरण का तकनीकी सत्यापन कर लिया है, जिस पर लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह पाइपलाइन इंजीनियरों के लिए चुनौती भी होगी, क्योंकि कुछ जगहों पर यह करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक की गहराई पर बिछानी पड़ेगी, जो अब तक समुद्र के

नीचे बिछाई गई दुनिया की किसी भी पाइपलाइन की तुलना में चार गुना अधिक गहरी होगी।

इस अध्ययन का उद्देश्य समुद्र तल की स्थितियों का आकलन करना और इंजीनियरिंग संभावनाओं की पुष्टि करना है। संभावना है कि भारत का पेट्रोलियम मंत्रालय, सरकारी कंपनियों गेल, इंजीनियर्स इंडिया और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश देगा। रिपोर्ट सकारात्मक हुई, तो ओमान के साथ गैस आपूर्ति, वित्तपोषण और परियोजना कार्यान्वयन पर औपचारिक बातचीत का रास्ता खुलेगा।

पश्चिम एशिया से भारत तक समर्पित पाइपलाइन बनी, तो हम किसी ट्रांज़िट देश या समुद्री अवरोध बिंदु पर निर्भर नहीं रहेंगे और किफायती लागत पर गैस की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी। मिडिल-ईस्ट-इंडिया डीप-वाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) अरब सागर के नीचे लगभग 2,000 किलोमीटर तक लंबी होगी, जो ओमान को भारत के गुजरात तट से जोड़ेगी। इस परियोजना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से गैस आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

वर्ष 2025 में भारत के एलएनजी आयात का लगभग दो-तिहाई हिस्सा होर्मुज़ जलसंधि से होकर गुजरा था। इस साल फरवरी के अंत में होर्मुज़ संकट शुरू होने के बाद, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जिससे कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई। इस गिरावट के कारण भारत के उर्वरक संयंत्रों, बिजलीघरों और उद्योगों की आपूर्ति में अचानक लगे झटकों ने चिंता पैदा की है। खनिज तेल की ऊंची कीमतों ने आयात लागत को पहले ही बढ़ा दिया है।

इस पृष्ठभूमि में, टैंकरों पर निर्भरता को कम करने और प्राकृतिक गैस का स्थिर प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए दशकों पुरानी इस परियोजना को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इस परियोजना से प्रतिदिन लगभग 31 मिलियन मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होने की उम्मीद है। वर्तमान राष्ट्रीय गैस खपत लगभग 190 से 195 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन है, जो औद्योगिक और शहरी गैस नेटवर्क के विस्तार और उर्वरक क्षेत्र की मांग में वृद्धि पर भी निर्भर है। 2030 तक, यह मांग 290 से 300 मिलियन वर्ग मीटर प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत को खाड़ी देशों से जोड़ने वाली समुद्री पाइपलाइन की अवधारणा नई नहीं है। 1990 के दशक से इस प्रस्ताव के विभिन्न रूप समय-समय पर सामने आते रहे हैं, लेकिन द्विपक्षीय वार्ता की जटिलता, वित्तपोषण की अनिश्चितता और अपर्याप्त राजनीतिक उत्साह के कारण वे ठंडे बस्ते में चले गए। बहरहाल इसबार की पहल तीन कारणों से उत्साहवर्धक है। एक, समुद्र में पाइप बिछाने की तकनीक में काफी प्रगति हुई है। पर्याप्त भू-राजनीतिक झटकों की वजह से राजनीतिक इच्छाशक्ति पैदा हो गई है, और तीसरे, सरकारी संस्थाओं को काम के औपचारिक निर्देश मिले हैं। यह परियोजना अब केवल सैद्धांतिक मनोकामना नहीं है, बल्कि सक्रिय इंजीनियरिंग और डिप्लोमैटिक प्रयास है। इस पाइपलाइन की संरचना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से प्राकृतिक गैस प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है। इन देशों के पास सामूहिक रूप से लगभग 2,500 ट्रिलियन घन फुट प्राकृतिक गैस का भंडार है। कतर के पास लगभग 868 ट्रिलियन घन फुट और ईरान के पास लगभग 1,649 ट्रिलियन घन फुट का भंडार है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा की तुलना चीन से करें, तो पाएंगे कि चीन ने अपनी भौगोलिक स्थिति का लाभ समय रहते उठा लिया है। भारत, जहां लगभग पूरी तरह से समुद्री पोतों से आने वाली एलएनजी पर निर्भर है, वहीं चीन ने व्यवस्थित रूप से भूमि और क्षेत्रीय पाइपलाइन गलियारों का एक नेटवर्क बना लिया है। इसके कारण वह होर्मुज़ पाइपलाइन के व्यवधान से काफी हद तक सुरक्षित हो गया है। चीन की पावर ऑफ साइबेरिया पाइपलाइन, जो दिसंबर, 2019 से चालू है, पूरी क्षमता से रूस के साइबेरिया गैस क्षेत्रों से प्रति वर्ष 38 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) तक गैस की आपूर्ति करती है। उसकी दूसरी पाइपलाइन, पावर ऑफ साइबेरिया 2 है, जिसकी प्रस्तावित क्षमता 50 बीसीएम प्रति वर्ष है। वह मंगोलिया से होकर आएगी, पर अभी उसपर बातचीत चल रही है। इसके अलावा तुर्कमेनिस्तान से चीन का मध्य एशियाई पाइपलाइन नेटवर्क, तीन समानांतर लाइनों के माध्यम से 55 बीसीएम प्रति वर्ष गैस की ढुलाई करता है। चौथी लाइन निर्माणाधीन है जो कुल क्षमता को 85 बीसीएम प्रति वर्ष तक बढ़ा देगी।

भारत और चीन की भंडारण क्षमता में बड़ा अंतर है। भारत में 22 से 24 एलएनजी भंडारण टैंकों में लगभग 2 से 2.5 अरब घनमीटर गैस का भंडार है, जो राष्ट्रीय गैस खपत के 10 से 12 दिनों के बराबर है। वहीं, चीन 2026 के अंत तक लगभग 80 अरब घनमीटर भंडारण क्षमता हासिल करने की राह पर है , जो उसकी वार्षिक खपत का लगभग 20 प्रतिशत है।

अतीत में पाकिस्तान के रास्ते तुर्कमेनिस्तान और ईरान से पाइपलाइनें बिछाने की परियोजनाओं पर काम हुआ था, पर वे बन नहीं पाईं। भू-राजनीतिक तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के कारण दशकों से प्रस्तावित 1800 किलोमीटर लंबी तुर्कमेनिस्तान-अफग़ानिस्तान, पाकिस्तान-इंडिया (तापी) पाइपलाइन नहीं बन पाई। यह पाइपलाइन करीब 33 अरब घनमीटर गैस का परिवहन करती।

दूसरी पाइपलाइन थी ईरान-पाकिस्तान-इंडिया (आईपीआई) लाइन। भारत ने भू-राजनीतिक कारणों और अमेरिकी प्रतिबंधों के दबाव में खुद को इस परियोजना से लगभग अलग कर लिया। भारत ने खनिज तेल का एक दीर्घकालीन भंडार ढांचा बना लिया है, पर गैस-भंडारण की विशाल अवसंरचना मौजूद नहीं है। अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध और पश्चिम एशिया की लड़ाई के कारण, हमारी ऊर्जा सुरक्षा, जोखिम में पड़ गई है। यह पाइपलाइन आशा की एक किरण बन सकती है।

- लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

फलता परिणाम : बंगाल के मुस्लिम बहुल सीटों की बदलती राजनीतिक सोच

सत्येंद्र प्रताप सिंह

फलता विधानसभा सीट का यह नतीजा इसलिए चौंकाने वाला माना जा रहा है, क्योंकि यह सीट डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के भीतर आती है। जिसे 12 वर्ष से अभिषेक बनर्जी का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। 2021 विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस यहां करीब 40 हजार वोट से जीती थी, जबकि 2024 लोकसभा चुनाव में इसी क्षेत्र में अभिषेक बनर्जी को करीब एक लाख 68 हजार की भारी बढ़त मिली थी।

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में फलता विधानसभा सीट पर तस्वीर बदली है। इसके पीछे अनगिनत कारण दिखाई देते हैं। छह मुख्य कारणों पर नजर डालते हैं। पहला कारण, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगीर खान का चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मैदान से हटना, पार्टी कैडर और वोटरों में भ्रम पैदा कर गया। इससे संदेश गया कि पार्टी अंदरूनी दबाव या संकट में है। दूसरा कारण, बंगाल में कई बार देखा गया है कि लोकसभा और विधानसभा में वोटिंग पैटर्न अलग होता है। अभिषेक बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता लोकसभा में काम आई, लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थानीय असंतोष, उम्मीदवार की छवि और संगठन की स्थिति ज्यादा प्रभाव डालती है।

तीसरा कारण, डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी खुद पार्टी उम्मीदवार जहांगीर खान के चुनाव प्रचार में सक्रिय नहीं दिखे। इससे कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह कम हुआ और

विरोधी दलों खासकर भाजपा को हमला करने का मौका मिला।

चौथा कारण, भाजपा का आक्रामक माइक्रो-कैंपेन। भाजपा ने इस चुनाव को प्रतीकात्मक लड़ाई बना दिया, अभिषेक के गढ़ में सेंध वाली चुनावी रणनीति के साथ। लगातार बूथ स्तर पर काम और ध्रुवीकरण की कोशिशों का असर दिखा।

पांचवां कारण, पुनर्मतदान और चुनावी तनाव। फलता समेत इलाके में पुनर्मतदान, शिकायतें और प्रशासनिक विवाद भी चर्चा में रहे। अमूमन ऐसे माहौल में एंटी-इंकम्बेंसी और असंतोष ज्यादा संगठित रूप में सामने आता है।

छठा कारण, अत्यधिक आत्मविश्वास का नुकसान। बड़ी लोकसभा बढ़त के बाद तृणमूल कांग्रेस ने शायद इस सीट को सेफ मान लिया। वहीं भाजपा ने इसे प्रतिष्ठा की लड़ाई बनाकर पूरी ताकत झोंक दी। कई चुनावों में यही अंतर परिणाम बदल देता है।

कुल मिलाकर यह सिर्फ एक सीट का परिणाम नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे बंगाल की राजनीति में एक संकेत की तरह देखा जा रहा है कि मजबूत गढ़ों में भी स्थानीय असंतोष, उम्मीदवार चयन और संगठनात्मक कमजोरी भारी पड़ सकती है। बंगाल की मुस्लिम बहुल सीटों की राजनीति में अब स्पष्ट बदलाव दिखाई भी दे रहा है। लंबे समय तक मुस्लिम वोट बैंक को तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा समर्थन माना जाता था, लेकिन अब उसमें जबरदस्त विभाजन नजर आने लगा है।

मुस्लिम मतदाताओं की बदलती सोच

बदलाव का ही असर है कि इस बार राज्य की 142 मुस्लिम-बहुल सीटों में भाजपा न केवल अपना खाता खोलने में सफल रही, बल्कि आधे से अधिक यानी 73 सीटों पर जीत दर्ज की। हालांकि, भाजपा की ओर से अब भी एक भी मुस्लिम विधायक निर्वाचित नहीं हुआ है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस सिमटकर महज 63 सीटों पर रह गई है। तृणमूल कांग्रेस के कुल 80 विधायकों में 32 मुसलमान हैं। वहीं कांग्रेस, सीपीएम, आईएसएफ (नौशाद सिद्दिकी) और आजउपा (हुमांयू कबीर) के जितने भी विधायक जीतकर आए हैं, वे सभी मुस्लिम समुदाय से हैं। यह बदलता राजनीतिक समीकरण संकेत देता है कि बंगाल में मुस्लिम मतदाता अब पहले की तरह एकजुट होकर किसी एक दल के साथ नहीं खड़े हैं, बल्कि स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों और राजनीतिक विकल्पों को ध्यान में रखकर मतदान कर रहे हैं। बहरहाल, यह स्थिति स्थायी भी नहीं है। बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद, मुस्लिम मतदाता एक बार फिर किसी एक राजनीतिक विकल्प के पक्ष में संगठित होने की कोशिश कर सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस से उनकी निराशा बढ़ी है, लेकिन भाजपा उनके लिए स्वाभाविक विकल्प नहीं बन पाती। ऐसे में वे लेफ्ट या कांग्रेस की ओर रुख कर सकते हैं।

- यह लेखक के निजी विचार हैं।

पर्यावरण पर प्रिंट मीडिया गंभीर है पर टीवी

डॉ अर्चना शर्मा

पिछले कुछ वर्षों में बढ़ते तापमान, वायु प्रदूषण, जल संकट, जंगलों में आग, असमय वर्षा, हिमालयी भू-स्खलन और शहरी पर्यावरणीय अव्यवस्था जैसी समस्याओं ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। साथ ही, जंगल कटान, खनन परियोजनाएं, नदी जोड़ो योजनाएं, आदिवासी विस्थापन और जैव विविधता पर बढ़ते खतरे देशभर में व्यापक जनआंदोलनों का कारण बने हैं।

पर्यावरणीय आंदोलनों की मीडिया कवरेज को लेकर गंभीर प्रश्न उठे हैं। राष्ट्रीय-क्षेत्रीय समाचार पत्र इन मुद्दों को अधिक संतुलित, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि टीआरपी-आधारित प्रतिस्पर्धा के कारण टीवी समाचार चैनल राजनीतिक बहस, चुनावी बयानबाजी, अपराध व मनोरंजनक खबरों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। चूंकि पर्यावरणीय विषय गहन शोध, फील्ड रिपोर्टिंग और दीर्घकालिक विश्लेषण की मांग करते हैं, अत: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इन्हें अपेक्षित समय-संसाधन नहीं मिले।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से जुड़ी केन-बेतवा रिवर लिंक परियोजना लगभग 44 हजार करोड़ रुपये की एक बड़ी जल संसाधन योजना है। इसका उद्देश्य केन नदी के अतिरिक्त जल को बेतवा बेसिन तक पहुंचाकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन को बढ़ावा देना है। हालांकि, परियोजना को लेकर कई गंभीर चिंताएं भी सामने आई हैं, जिनमें हजारों लोगों का विस्थापन, वन भूमि का जलमग्न होना तथा पन्ना टाइगर रिजर्व की जैव विविधता पर संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। वहीं छतरपुर और पन्ना जिलों में प्रभावित ग्रामीणों और आदिवासी समुदायों ने विरोध के विभिन्न प्रतीकात्मक तरीके अपनाए। प्रदर्शनकारियों ने संदेश देने का प्रयास किया कि विस्थापन उनके सामाजिक और सांस्कृतिक अस्तित्व को समाप्त कर देगा। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों ने इस आंदोलन को मानवीय और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से विस्तारपूर्वक कवर किया। दूसरी ओर, अधिकांश टीवी चैनलों पर यह मुद्दा सीमित समाचार पैकेजों तक सिमटता दिखाई दिया।

इसी प्रकार ओडिशा के रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों में प्रस्तावित वेदांता समूह की बॉक्साइट खनन परियोजना के खिलाफ स्थानीय आदिवासी समुदायों का विरोध मीडिया कवरेज में भिन्नता को दर्शाता है। जहां इस मुद्दे ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, वहीं टीवी चैनलों

ने मुख्यत: सिजिमाली पहाड़ियों में सड़क निर्माण के दौरान हुई पुलिस-आदिवासी झड़प को अधिक प्रमुखता दी। इसके विपरीत भूमि अधिकार, जल स्रोतों, वन संरक्षण और विस्थापन जैसे मूलभूत मुद्दे अपेक्षाकृत कम उभरे।

छत्तीसगढ़ का हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन के विरोध में चल रहा विरोध प्रदर्शन भी पर्यावरणीय पत्रकारिता की उपेक्षा का एक बड़ा उदाहरण माना जा सकता है। यह क्षेत्र भारत के सबसे घने जंगलों में से एक है और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। स्थानीय आदिवासी समुदाय लंबे समय से खनन परियोजनाओं के खिलाफ विरोध दर्ज करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हजारों पेड़ों पर खनन परियोजनाओं का प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन इसके बावजूद राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर इस संघर्ष को लगातार कवरेज नहीं मिली।

इसी प्रकार राजस्थान के शाहबाद वन क्षेत्र में पंप्ड स्टोरेज परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई के खिलाफ पर्यावरण कार्यकर्ता लगातार आवाज उठा रहे हैं। अरावली क्षेत्र और वन संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा डिजिटल मीडिया संस्थानों ने इस संघर्ष को जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और आदिवासी अधिकारों के संदर्भ में प्रमुखता से प्रकाशित किया।

हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते पर्यावरणीय संकट को लेकर 'हिमालय है तो हम हैं' अभियान के तहत पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एक्टिविस्टों ने भी आवाज़ उठाई। इस अभियान का उद्देश्य हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को अंधाधुंध निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, जलविद्युत परियोजनाओं और अनियंत्रित पर्यटन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूकता फैलाना है। बुंदेलखंड क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित 'जल सहेली' अभियान भी पर्यावरणीय जनभागीदारी का उल्लेखनीय उदाहरण है, लेकिन मुख्यधारा टीवी चैनलों पर इसकी उपस्थिति सीमित रही।

मीडिया विश्लेषकों मानते हैं कि टीवी चैनलों में 'टीआरपी-चालित पत्रकारिता' के कारण पर्यावरणीय रिपोर्टिंग कमजोर हुई है। पर्यावरणीय मुद्दे प्राय: जटिल, दीर्घकालिक और शोध-आधारित रिपोर्टिंग की मांग करते हैं, जबकि टीवी मीडिया त्वरित दृश्य प्रभाव और राजनीतिक टकराव को प्राथमिकता देता है। इसके कारण पर्यावरणीय सरोकारों व विस्थापन के मुद्दे मीडिया एजेंडा में अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं।

मीडिया अध्ययन के अनुसार यह स्थिति 'इश्यू हायरार्की' और 'मीडिया प्रायोरिटाइजेशन' का उदाहरण है, जहां दीर्घकालिक जनहित के मुद्दों की तुलना में तात्कालिक राजनीतिक सामग्री को अधिक महत्व दिया जाता है। यद्यपि डिजिटल मीडिया और स्वतंत्र पत्रकारिता मंचों ने पर्यावरणीय मुद्दों को नई दृश्यता प्रदान की है। निस्संदेह, देश आज जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब मीडिया की भूमिका केवल सूचना प्रसारित करने तक सीमित नहीं रह सकती।

-लेखिका चंडीगढ़ वि.वि. में

आम रसीले

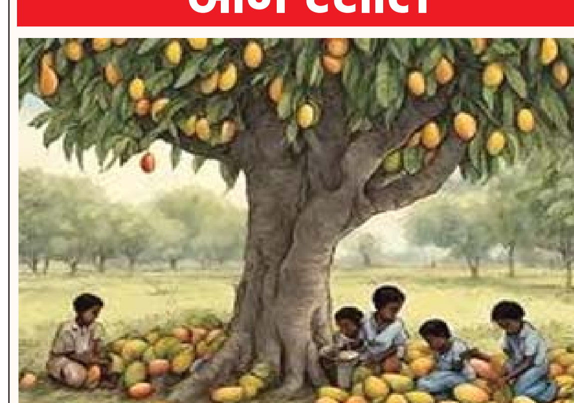

लगे विटप पर 'आम
रसीले'।
चुन्नू-मुन्नू बड़े छबीले।।
मिलकर खाएँगे हम सारे।
खट्टे-मीठे कितने प्यारे।।

तले वृक्ष के सौरभ सींचें।
झूला डालें डोरी खींचें।।
गुठली फेंकें दूर उछालें।
मस्ती में फिर ढोल बजा
लें।।

खेलें घूमें खूब नहाएँ।
नींबू पानी कुल्फी खाएँ।।
टार्च लिए कुछ खेल रचाएँ।
भूत बनें डरकर छिप
जाएँ।।

छत पर बिछा चटाई प्यारी।
अहा! साँझ की आभा
न्यारी।।
झिलमिल नील गगन
मुस्काए।
चन्दा मामा गीत सुनाए।।

गर्मी की यह मौज
निराली।
दे जाती हमको
खुशहाली।।
झूम-झूम हम नाचें-गाएँ।
'सुषमा' सब आनन्द
मनाएँ।।

-कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
रायपुर छ ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

पितृविहीन बेटियों के लिए आगे आया अल-मदद, ली जिम्मेदारी

भिलाई। अंचल की समाजसेवी मुस्लिम महिलाओं के संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने सड़क हादसे में अपनी जान गंवाने वाले के परिवार को आर्थिक सहायता दी और उनके बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा भी लिया। हाल ही में चंद्रा-मौर्या टॉकीज के पास सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सलीम खान के निवास पहुंचकर मृतक की पत्नी सलमा खातून को 15,000 का चेक प्रदान किया। सोसाइटी की प्रेसिडेंट अंजुम अली ने बताया कि मरहूम सलीम की तीन बेटियों की स्कूली शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी भी अल मदद ने ली है। इस दौरान कोषाध्यक्ष शाहीन खान, दरख्शां अंजुम एवं मिस्बाह हुसैन मौजूद थीं।

कचरा पृथककरण कराने की जिम्मेदारी पार्षदों को सौंपी

पाटन। नगर पंचायत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के शत-प्रतिशत पालन को लेकर संयुक्त बैठक हुई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत अब वार्ड पार्षद केवल जनप्रतिनिधि नहीं रहेंगे, बल्कि अपने-अपने वार्डों में स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण के लिए मुख्य वैधानिक उत्तरदायी भी होंगे। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, सभी वार्ड पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा तथा स्वच्छता प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में शासन के निर्देशानुसार घर-घर में डस्टबिन रखने और कचरे के पृथक्करण को अनिवार्य करने पर जोर दिया गया। एसडब्ल्यू नियम 2026 के तहत अब नगर के सभी नागरिकों को अपने घरों और दुकानों में मिश्रित कचरा रखने की अनुमति नहीं होगी।

जिले में 68 हजार से अधिक श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

दुर्ग। जिले में मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण श्रमिकों को लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में संचालित निर्माण कार्यों से हजारों परिवारों को आजीविका का सहारा मिल रहा है, वहीं जल संरक्षण और ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी मजबूती मिल रही है। वर्तमान में जिले में प्रतिदिन 68 हजार 641 श्रमिक मनरेगा कार्यों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। जिले की ग्राम पंचायतों में कुल 3923 निर्माण कार्य संचालित हैं तथा मांग के आधार पर प्रतिदिन नए श्रमिकों को कार्य उपलब्ध कराया जा रहा है। जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत 1048 कार्यों में 15 हजार 227 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत 1687 कार्यों में 29 हजार 695 श्रमिक तथा जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत 1188 कार्यों में 23 हजार 719 श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

भिलाई के सिद्धांत और गिडियन ने फतह की हिमालय में 13800 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'सारपास'

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। हिमालय की बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण पहाड़ी रास्तों के बीच भिलाई के दो ट्रैकर्स केएस सिद्धांत और गिडियन सपाटे ने 'सार पास 2026' ट्रैक अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर शहर का नाम रोशन किया है। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएचएआई) द्वारा आयोजित यह राष्ट्रीय स्तर का ट्रैकिंग कार्यक्रम 13 मई से 19 मई तक हिमाचल प्रदेश की घाटी में आयोजित किया गया।

इस रोमांचक अभियान में देशभर के 47 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ट्रैक की शुरुआत सियोबाग स्थित बेस कैंप से हुई, जहां से दल ने ग्रेहान गांव, मिन-थाच, नगरू कैंपसाइट और बिस्केरी कैंपसाइट जैसे दुर्गम पड़ावों को पार करते हुए करीब 13,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सार पास तक का सफर तय किया।

अभियान के दौरान सिद्धांत ने डिप्टी ट्रेक लीडर की जिम्मेदारी निभाई। कठिन पहाड़ी मार्गों, बर्फीले ट्रैक और बदलते मौसम के बीच उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के साथ टीम समन्वय में भी अहम भूमिका निभाई। वहीं 59 वर्षीय बीएसपी कर्मचारी गिडियन सपाटे ने अपने उत्साह, साहस और मजबूत इच्छाशक्ति से सभी को प्रभावित किया। उनकी ऊर्जा और सकारात्मकता युवा प्रतिभागियों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनी रही। सार पास ट्रेक हिमालय के सबसे लोकप्रिय और चुनौतीपूर्ण ट्रैक्स में गिना जाता है। घने जंगल, बर्फ से ढकी ढलानें, ऊंची चढ़ाइयां और मनमोहक प्राकृतिक दृश्य इस ट्रेक को बेहद खास बनाते हैं। पूरे अभियान के दौरान प्रतिभागियों को कठिन मौसम परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

बीएसपी के यूनिवर्सल रेल मिल ने सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का बनाया नया कीर्तिमान

यूआरएम ने एक दिन में 3867 टन रेल का किया उत्पादन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने रेल उत्पादन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नया सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन कीर्तिमान स्थापित किया है। 260 मीटर लंबे रेल पैनल का निर्माण करने वाले यूनिवर्सल रेल मिल ने 22 मई 2026 को आर260-60ई1 रेल प्रोफाइल में 462 ब्लूम्स के साथ कुल 3,867 टन रेल उत्पादन कर नया 'डे रिकॉर्ड' बनाया।

इस उपलब्धि के साथ मिल ने 12 मार्च 2025 को स्थापित 3,852 टन एवं 455 ब्लूम्स के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र एवं कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने यूनिवर्सल रेल मिल की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने यूआरएम के कार्मिकों से वर्तमान वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों को इसी समर्पण एवं कार्य भावना के साथ प्राप्त करने तथा भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करने का आह्वान किया।

इस उपलब्धि पर संपूर्ण मिल बिरादरी को बधाई देते हुए मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (बीआरएम एवं यूआरएम) योगेश शास्त्री ने कहा कि यह सफलता यूनिवर्सल रेल मिल सामूहिक के सतत मॉनिटरिंग, बेहतर समन्वय एवं निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि में सहयोगी विभागों एसएमएस-2 एवं एसएमएस-3, ट्रैफिक, पीपीसी, आरसीएल, इंस्ट्रुमेंटेशन, ए एंड डी, सेंट्रल इलेक्ट्रिकल, सेंट्रल मैकेनिकल टीमों तथा तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी राइट्स के महत्वपूर्ण सहयोग की भी सराहना की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यूनिवर्सल रेल मिल आने वाले समय में भी अनेक नई उपलब्धियाँ हासिल करेगा।

उल्लेखनीय है कि यूनिवर्सल

रेल मिल का प्रमुख ग्राहक भारतीय रेलवे है तथा मिल द्वारा उत्पाद गुणवत्ता एवं समयबद्ध उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। बीएसपी के यूनिवर्सल रेल मिल में निर्मित 260 मीटर लंबे रेल पैनल देश में रेलवे अवसंरचना के विस्तार एवं समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बरसात पूर्व नालों की सफाई तेज जलकुंभी हटाने मशीनों का उपयोग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर भर में व्यापक स्तर पर नालों, नहरों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को राहत दिलाने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर सभी जोन क्षेत्रों में सफाई कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है।

निगम द्वारा बड़े नालों एवं नहरों की सफाई के लिए चैन एक्सीवेटर मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे महीनों से जमा गाद, मिट्टी एवं जलकुंभी जैसे खरपतवारों को तेजी से निकाला जा सके। मशीनों की सहायता से गहराई तक सफाई होने से नालों की जल प्रवाह क्षमता में सुधार हो रहा है और बरसात के पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि कई स्थानों पर नालों में अत्यधिक मात्रा में जलकुंभी एवं कचरा जमा होने के कारण पानी का बहाव प्रभावित हो रहा था। ऐसे स्थानों को चिन्हांकित कर प्राथमिकता के आधार पर सफाई कराई जा रही है। सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद बारिश का पानी छोटे नालों से होते हुए बड़े नालों एवं नहरों तक आसानी से पहुंच सकेगा, जिससे शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि नालों में किसी प्रकार की रुकावट न रहे तथा जहां आवश्यकता हो वहां अतिरिक्त मशीनें एवं सफाई कर्मियों को लगाया जाए साथ ही निकाला गया कचरा एवं गाद तत्काल हटाया जाए।

सड़क हादसे में पैर गंवाने वाले को सुशासन तिहार में मिला सहारा, 20 वार्डों के 763 लोगों ने दिया आवेदन

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के सुशासन शिविर में सड़क दुर्घटना में एक पैर गवां चुके पुरैना के दिनेश साहू को सहारा मिला। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बैटरी चलित ट्राई सायकल प्रदान किया। दिनेश साहू एक वर्ष से ट्राई सायकल लेने कार्यालय का चक्कर लगा रहा था।

दरअसल दिहाड़ी श्रमिक दिनेश हताश होकर पुरैना के शिविर में पहुंचा था। वहां उसने दिव्यांगता का हवाला देते हुए अपनी पीड़ा क्षेत्रीय विधायक ललित चंद्राकर व कलेक्टर अभिजीत सिंह के समक्ष रखा था। दिनेश ने बताया कि वह मजदूरी करने घर से निकला था।

सिरसा गेट के निकट उसे हाइवा ने अपनी चपेट में ले लिया। अस्पताल में जब आँख खुली तो दाहिना पैर गायब था। जैसे तैसे जयपुर पैर से उसने चलना शुरू किया। कलेक्टर अभिजीत ने पीड़ित की गुहार सुनने के बाद उसे शीघ्र बैटरी चलित ट्राई सायकल दिलाने का आश्वासन दिया था। सोमवार के शिविर में दिनेश को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ट्राई सायकल भेंट किया। शिविर का अवलोकन महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने किया।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य सनीर साहू, ममता यादव, जमुना ठाकुर, जहीर अब्बास समेत पार्षद शीला नारखेड़े, सविता ढवस, रमा साहू, धमेन्द्र भगत, मनीष यादव, माया यादव, डॉ. सीमा साहू, विलास राव बोरकर, विनय नेताम, परमेश्वर आदि उपस्थित थे।

विधायक ललित चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ महिला कोष से एक लाख का ऋण स्व सहायता समूह को उपलब्ध कराया। उन्होंने रिसाली क्षेत्र में आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का आश्वासन दिया। वहीं विधायक, महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत ज्योति रावते, दीपा ठाकुर, कौशल्या कुर्रे की गोद भराई रश्म की।

सुशासन शिविर में कुल 763 आवेदन आए जिनमें से 683 मांगों से जुड़ी थी। शिकायतों के 80 आए। इनमें से 81 आवेदनों का मौके पर ही निपटारा हुआ।

मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए वार्डों में दवाई का छिड़काव प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिदिन अलग-अलग जोनों के वार्डों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम की स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम क्षेत्र की नालियों, कूलरों, बाथरूमों एवं अन्य जलभराव वाले स्थानों पर पहुंचकर मच्छर उन्मूलन कार्य कर रही है। अभियान के तहत मैलाथियान,

टेमिफास एवं जला ऑयल का छिड़काव कराया जा रहा है, ताकि मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जा सके और बीमारियों का फैलाव रोका जा सके।

निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, कूलरों की नियमित सफाई करें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। निगम की टीम लगातार वार्डों में निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर रही है, जिससे शहर में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे और नागरिक सुरक्षित रह सकें। नगर निगम ने लोगों से भी अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास कहीं भी पानी का जमान नहीं होने दें ताकि मच्छर को अपनी संतति बढ़ाने का मौका न मिले। जहां भी पानी जमा हो उसे साफ करें।

एचएससीएल के मंच पर यात्रा वृत्तांत एवं लघुकथा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' (नराकास) के तत्वावधान में एचएससीएल, भिलाई द्वारा आयोजित 'यात्रा वृत्तांत' एवं श्रमिक जीवन पर आधारित 'लघुकथा लेखन' प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह एचएससीएल भिलाई के सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (मानव संसाधन-आईआर एवं सीएलसी) तथा सचिव, नराकास भिलाई-दुर्ग राजीव कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएससीएल के उप महाप्रबंधक निशीथ कांति दास ने की।

तकनीकी सलाहकार (एचएससीएल) वीके शाह, प्रतियोगिता के निर्णायक भिलाई इस्पात संयंत्र के उप प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन-राजभाषा), जितेन्द्र दास मानिकपुरी तथा भारतीय डाक विभाग, दुर्ग के सहायक अधीक्षक नितिन गोस्वामी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राजीव कुमार ने कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक एवं राजभाषा संबंधी आयोजन प्रतिभागियों को नई ऊर्जा एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निशीथ कांति दास ने हिंदी के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से जारी रहेंगे। वी. के. शाह ने कहा कि हिंदी में कार्य करने से कार्यों में सरलता एवं शीघ्रता दोनों आती हैं तथा नराकास स्तरीय आयोजन विभिन्न संस्थानों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता में शिखा दीक्षित प्रथम, दयानंद साहू द्वितीय तथा अमितेश पुरोहित तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार अमृता गंगराडे, अनिल कुमार अग्रवाल, धनराज कुमार साहू, बिरु बास्के एवं सौरभ मिश्रा को मिला। लघुकथा प्रतियोगिता में शत्रुंजय तिवारी प्रथम, विमल कुमार गेडाम द्वितीय तथा अमृता गंगराडे तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार ग्लोरी एस. पारकर, आनंद, अनीशा कुमारी, अमितेश पुरोहित एवं युवराज पैकरा ने प्राप्त किया।

आयुक्त ने आकाशगंगा, द. गंगोत्री व प्रियदर्शिनी परिसर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत साफ-सफाई, अवैध निर्माण, सड़क बाधा, पानी निकासी, आश्रय स्थल एवं खेल परिसर का बारिकी से निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए नागरिको को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने निर्देशित किये हैं।

निगम आयुक्त, जोन आयुक्त के साथ सुपेला घड़ी चौक से निरीक्षण प्रारंभ किये। सुपेला चौक पर लेफ्ट फ्री के कार्य को प्रगति लाने कहा। आकाशगंगा सब्जी मण्डी की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने निर्देशित किये। आकाशगंगा की दुकानों का टैक्स जमा नहीं करने वाले दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने कहा गया है। साथ ही दुकान के सामने अवैध अतिक्रमण पर चालानी कार्रवाई करने निर्देशित किये हैं।

दक्षिण गंगोत्री में रेल्वे के किनारे स्थित पत्रकार कालोनी के समीप बांस टाल के निवासियों द्वारा सामान सड़क किनारे रखे है, जिससे आवागमन बाधित होती है, कार्यवाही करते हुए अवैध कब्जा हटाने कहा गया है। आश्रय स्थल में निवासरत वृद्धों से मुलाकात कर समस्या से अवगत हुए। प्रियदर्शिनी परिसर में निर्माणाधीन खेल परिसर को निरीक्षण किये और गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बारिकी से कार्य कराने कहा गया है। उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, उप अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, साथ थे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से संवर रहा बेटियों का भविष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना श्रमिक परिवारों की बेटियों के भविष्य को नई दिशा दे रही है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। आरंग विकासखण्ड के ग्राम पलौद निवासी कमल पटेल भी इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। श्री पटेल छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं और मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण उन्हें अपनी पुत्री की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसी दौरान उन्होंने जिला श्रम कार्यालय रायपुर से संपर्क किया, जहां उन्हें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना की जानकारी दी गई। आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उनकी पुत्री के खाते में डीबीटी माध्यम से 20 हजार रुपए की सहायता राशि सीधे जमा की गई।

इबोला वायरस को लेकर रायपुर एयरपोर्ट में अलर्ट, यात्रियों की जांच अनिवार्य

रायपुर। दुनियाभर में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण को देखते हुए छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गया है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ की ओर से इबोला संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए गए हैं। एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य जांच, संदिग्ध मामलों की पहचान और आपातकालीन प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) की ओर से जारी पत्र में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर को एयरपोर्ट परिसर में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग व्यवस्था का समन्वय सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसी भी संदिग्ध मरीज की पहचान होने पर तत्काल संबंधित स्वास्थ्य विभाग को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान बना ग्रामीणों की उम्मीदों का नया सवेरा

रायपुर। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने और शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने के इरादे से धमतरी जिले में एक ऐतिहासिक पहल की गई। जिले में 18 मई से 25 मई 2026 तक संचालित विशेष अभियान जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले के अंतर्गत 'जनजातीय गरिमा उत्सव' का सफल आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित इस विशेष शिविर ने वनांचल के अनेक जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नया सवेरा लाने का काम किया है। इन्हीं बदलावों की एक जीवंत तस्वीर धमतरी जिले के सुदूर ग्राम मोंगरा गहन की निवासी धामिनी के चेहरे पर साफ देखी जा सकती है।

- छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के नए दौर की शुरुआत
- नवा रायपुर में दूसरा एसईजेड मंजूर, राज्य में लगेगा पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में नवा रायपुर बन रहा हाई-टेक उद्योगों का नया केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने औद्योगिक विकास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नवा रायपुर में दूसरे विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) को मंजूरी मिल गई है। पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को नवा रायपुर में 10.13 हेक्टेयर क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंजीनियरिंग आधारित एसईजेड स्थापित करने की स्वीकृति मिली है, जहां सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

यह परियोजना इसलिए खास है क्योंकि इसके जरिए छत्तीसगढ़ में पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित होगा।

इसके साथ ही राज्य तकनीक आधारित और उच्च मूल्य वाले उद्योगों की नई दुनिया में कदम रखेगा। इससे न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ तकनीक आधारित निवेश और आधुनिक विनिर्माण का नया केंद्र बनकर उभरेगा। नवा रायपुर में बनने वाला यह विशेष आर्थिक क्षेत्र राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने, नए निवेश आकर्षित करने और छत्तीसगढ़ को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही कौशल विकास, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

अनुमान है कि इस परियोजना से अगले पांच वर्षों में 1300 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही राज्य में कुशल युवाओं के लिए हाई-टेक उद्योगों में काम करने के नए रास्ते खुलेंगे और तकनीकी कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ में निवेश और उद्योगों के लिए बन रहे सकारात्मक माहौल का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेहतर आधारभूत सुविधाएं, पारदर्शी व्यवस्था और निवेश अनुकूल नीतियों के जरिए भविष्य के उद्योगों के लिए मजबूत वातावरण तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, सेमीकंडक्टर तकनीक भविष्य की जरूरत है। नवा रायपुर में राज्य का पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित होना केवल उद्योग की शुरुआत नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के तकनीकी भविष्य की मजबूत नींव है। इससे युवाओं को बेहतर रोजगार मिलेगा, तकनीकी कौशल बढ़ेगा और राज्य नई औद्योगिक पहचान के साथ आगे बढ़ेगा।

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिल रही है। भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) की LEADS 2025 रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को स्थलरुद्ध राज्यों की श्रेणी में हाई परफॉर्मर माना गया है। यह राज्य की बेहतर लॉजिस्टिक्स व्यवस्था, औद्योगिक संपर्क और निर्यात क्षमता को दर्शाता है। नवा रायपुर का यह नया एसईजेड छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 लागू, चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण अनिवार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बलरामपुर जिले में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को नए नियमों की जानकारी दी।

प्रशिक्षण में बताया गया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा लागू ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 एक अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावी हो चुका है। नए नियमों के तहत अब प्रत्येक घर, संस्था और प्रतिष्ठान में कचरे का चार श्रेणियों—गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट तथा स्पेशल केयर वेस्ट—में पृथक्करण अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने बताया कि गीले कचरे से जैविक खाद एवं बायोगैस तैयार की जा सकेगी, जबकि सूखे कचरे का पुनर्चक्रण किया जाएगा। वहीं बैटरी, एक्सपायरी दवाइयां, सिरिंज जैसे खतरनाक अपशिष्टों को सार्वजनिक स्थानों पर फेंकना प्रतिबंधित रहेगा। नियमों के तहत बड़े स्तर पर कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है, जिनके लिए वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन अनिवार्य किया गया है। साथ ही नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों द्वारा उपयोगकर्ता शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना, आर्थिक दंड एवं कारावास तक का प्रावधान किया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, खुले में कचरा जलाने तथा कचरे का पृथक्करण नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण निर्माण के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने स्कूलों, ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

जन समस्या निवारण शिविर में गूंजा नशा मुक्ति का संकल्प

समाज कल्याण विभाग ने दिलाई नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ, ग्रामीणों ने स्वस्थ समाज निर्माण का लिया प्रण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला सरगुजा के जनपद पंचायत लुण्ड्रा की ग्राम पंचायत बिल्हमा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता का सशक्त मंच बनकर सामने आया। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समाज कल्याण विभाग सरगुजा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

उपस्थित लोगों ने शराब, तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक वातावरण और युवा पीढ़ी के भविष्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं और अपने गांव को आदर्श नशामुक्त ग्राम बनाने में सहयोग करें।

शिविर के दौरान लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। युवाओं को खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही यह भी बताया गया कि शासन द्वारा नशा पीड़ित व्यक्तियों के उपचार और पुनर्वास के लिए विभिन्न सहायता सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम गांवों में सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं युवा उपस्थित रहे।

नैनो डीएपी के उपयोग से किसानों को कम लागत में मिलेगा बेहतर उत्पादन : कृषि मंत्री नेताम

नैनो यूरिया-नील हरित काई जैसे विकल्प अपनाने किसानों से अपील, राज्य में अभी 9.29 लाख मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक खाद उपलब्ध

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आयातित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। वर्तमान में राज्य में 9.29 लाख मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक खाद का स्टॉक गोदामों और सोसायटियों में उपलब्ध है। जबकि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयास से केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को इस खरीफसीजन के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ है। राज्य सरकार किसानों के धान बुआई एवं उत्पादन प्रभावित न हो इस उद्देश्य से तरल नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का स्टॉक भी समानांतर रूप से भण्डारित करने की रणनीति पर भी कार्य कर रही है।

वहीं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को नैनो डीएपी उर्वरक के उपयोग हेतु जागरूक किया जा रहा है। कृषि क्रांति की ओर एक कदम अभियान के अंतर्गत नैनो डीएपी को फॉस्फोरस एवं नाइट्रोजन युक्त उन्नत तरल उर्वरक के रूप में किसानों के बीच प्रचारित किया जा रहा है, जिससे कम लागत में अधिक एवं संतुलित उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

कृषि विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनो डीएपी के उपयोग से किसानों को संतुलित पोषण, बेहतर परिणाम एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही ठोस डीएपी पर निर्भरता में कमी आएगी तथा उर्वरक उपयोग की दक्षता में वृद्धि होगी। विभागीय आंकड़ों के अनुसार एक एकड़ क्षेत्र में परंपरागत डीएपी के उपयोग की तुलना में नैनो डीएपी के उपयोग से लागत में कमी संभव है। जहां 50 किलोग्राम डीएपी पर लगभग 1350 रुपये की लागत आती है, वहीं 25 किलोग्राम डीएपी एवं 500 मिली नैनो डीएपी के संयुक्त उपयोग से लगभग 1275 रुपये की लागत आती है।

कृषि विभाग ने नैनो डीएपी के उपयोग की वैज्ञानिक विधि भी किसानों को बताई है। प्रथम चरण में आधार खाद के रूप में 25 किलोग्राम डीएपी अथवा 75 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट अथवा 38 किलोग्राम 12-32-16 मिश्रित उर्वरक का उपयोग करने की सलाह दी गई है। दूसरे चरण में बीज उपचार हेतु 150 मिली नैनो डीएपी को 3 लीटर पानी में मिलाकर बीज उपचार करने तथा पौध उपचार हेतु 250 मिली नैनो डीएपी को 50 लीटर पानी में घोलकर पौधों की जड़ों को उपचारित करने की जानकारी दी गई है। तीसरे चरण में फसल रोपाई के लगभग 30 दिन बाद 250 मिली नैनो डीएपी को 125 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि पश्चिमी एशियाई संकट के चलते रासायनिक उर्वरकों की संभावित कमी को देखते हुए विभाग द्वारा किसानों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत एनपीके 12:32:16, 20:20:0:13, हरी खाद, जैविक खाद और नैनो उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयासों से आगामी खरीफ सीजन 2026 के लिए छत्तीसगढ़ को केन्द्र सरकार द्वारा 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ है। जिसमें यूरिया 7.25 लाख, डीएपी 3 लाख, एमओपी 80 हजार, एनपीके 2.5 लाख तथा एसएसपी 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश के गोदामों एवं समितियों में लगभग 9.29 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी किसानों को पारदर्शिता के साथ पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का आबंटन सुनिश्चित हो।

कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने बताया कि उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल और निगरानी समितियों के गठन के निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर उर्वरकों में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (प्राइस सपोर्ट स्कीम) के तहत दलहन और तिलहन फसलों के उपार्जन को भी प्राथमिकता में रखा गया है। हर जिले में सुगंधित धान की प्रजाति के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही दलहन-तिलहन फसलों तथा उद्यानिकी क्षेत्र में ऑयल पाम, मखाना और मसाला फसलों के विस्तार के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्व प्रकरणों का तय समय-सीमा में हो निराकरण: मंत्री टंक राम वर्मा

राजस्व मंत्री के औचक निरीक्षण से रायपुर तहसील कार्यालय में हड़कंप, डायवर्सन में देरी पर एसडीएम को फटकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने रायपुर तहसील कार्यालय और नवीन संभाग आयुक्त कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। मंत्री के इस अचानक दौरे से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान राजस्व मामलों के निपटारे में कछुआ गति और लापरवाही सामने आने पर मंत्री ने गहरी नाराजगी जताई।

उन्होंने आम जनता से जुड़े नामांतरण, त्रुटि सुधार, सीमांकन और बंटवारे जैसे संवेदनशील प्रकरणों में हो रहे विलंब को लेकर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया और इन्हें शीघ्र निपटाने के कड़े निर्देश दिए। विशेष रूप से डायवर्सन (व्यपवर्तन) के मामलों में बेहद धीमी प्रगति पाए जाने पर मंत्री ने अनुविभागीय अधिकारी रायपुर को जमकर फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान राजस्व मंत्री ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने परिसर में फैली गंदगी और फाइलों के अव्यवस्थित रखरखाव पर अप्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि आम जनता की सुविधा के लिए कार्यालय में स्वच्छ वातावरण और बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, साथ ही सभी शासकीय दस्तावेजों व फाइलों को पूरी तरह व्यवस्थित रखा जाए।

तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझने के लिए राजस्व मंत्री स्वयं भुइयां शाखा, कानूनगो शाखा, ड्ढ्ढक्ष्ह्र शाखा और मालजमादार शाखा पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदार न्यायालयों का भी सघन निरीक्षण किया। अदालती कार्यवाही की समीक्षा करते हुए उन्होंने साफ कहा कि राजस्व कोर्ट में सुनवाई निरंतर होनी चाहिए ताकि तारीख-पे-तारीख के चक्कर में आम जनता को परेशान न होना पड़े। लोग सुबह से आकर शाम तक बैठे रहते हैं और सुनवाई किए बिना अगली तारीख दे दी जाती है, यह रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आंकड़ों का ब्यौरा देते हुए बताया कि तहसील में अब तक दर्ज कुल 65,390 मामलों में से 64,702 का निराकरण किया जा चुका है और वर्तमान में केवल 688 मामले लंबित हैं। इस पर मंत्री ने बचे हुए सभी लंबित मामलों को भी समय-सीमा के भीतर तत्काल शून्य करने का टारगेट दिया।

मंत्री ने न केवल फाइलों को खंगाला, बल्कि परिसर में मौजूद आम जनता के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद भी किया। उन्होंने लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनीं और मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

तहसील कार्यालय के बाद मंत्री ने नवीन संभाग आयुक्त कार्यालय का रुख किया। वहां उन्होंने लंबित राजस्व मामलों को समय-सीमा के भीतर निपटाने के लिए संभाग आयुक्त को निर्देशित किया। कामकाज में कसावट लाने और कसानी की निगरानी को मजबूत करने के साथ ही मंत्री ने संभाग आयुक्त को संभाग के सभी जिलों में राजस्व कार्यों की वास्तविक प्रगति का एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए।

लगातार सीखना और जमीन से जुड़े रहना ही असली विकास : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी।

मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए।

अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म अस्तित्व (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में खुशी चौटाला की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा।

अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म इंडिया हाउस में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है।

सई मांजरेकर इसमें सती नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है। फिल्म में सई के साथ निखिल सिद्धार्थ मुख्य भूमिका में हैं, और दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण सुपरस्टार राम चरण की कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

क्रिस्टल डिसूजा की पार्टी फोटोज ने मचाया बवाल

तस्वीरों में अभिनेत्री को किस करते दिखा यह बिजनेसमैन

एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा और दुबई बेस्ड बिजनेसमैन एपी की डेटिंग अफवाहें तेजी से फैल रही हैं। इसी बीच दोनों का एक पार्टी वीडियो सामने आया है, जिसमें यह रूमर्ड कपल एक-दूसरे के बेहद करीब दिखाई दे रहा है।

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा और 'देसी ब्लिंग' फेम अभिनेता एपी के डेटिंग रूमर्स काफी तेजी से फैल रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद से दोनों का रिश्ता सुर्खियों में है। इस तस्वीर में एपी अपने दोस्तों के साथ नजर आ रहे हैं, वहीं क्रिस्टल भी उनके साथ मौजूद हैं।

एक्ट्रेस के गालों पर किया किस

पार्टी के दौरान के इस वीडियो में क्रिस्टल डिसूजा, एपी और उनके करीबी दोस्त मौजूद हैं। सभी मिलकर पोज दे रहे हैं। एपी, क्रिस्टल को अपनी बाहों में थामे हुए हैं। वीडियो में वो उनके गाल चूमते नजर आते हैं। अब इस वीडियो क्लिप को देखकर फैंस यह तय नहीं कर पा रहे कि जो दिख रहा है वो सिर्फ पार्टी मूमेंट है या फिर कपल के डेटिंग की अफवाहें सच हैं।

'देसी ब्लिंग' से चर्चा में हैं एपी

एपी का नाम पहली बार एक रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' से चर्चा में आया। इस शो में दुबई में रहने वाले अमीरों की लाइफ दिखाई जाती है। एपी का दुबई में सुपर कार का बिजनेस है।

क्रिस्टल डिसूजा का वर्कफ्रंट

क्रिस्टल ने अपने करियर की शुरूआत 2007 में टीवी सीरियल से की थी। 'एक हजारों में मेरी बहना है' से वो मशहूर हुईं और 2021 में फिल्म 'चेहरे' से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। हाल ही में वह रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' के गाने 'शरारत' में दिखाई दी थीं।

फ्रिज में प्लास्टिक और कांच की बोतल में से किसमें पानी रखना होता है बेहतर?

पानी को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक और कांच की बोतल, दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, जब बात फ्रिज में पानी स्टोर करने की आती है तो इस पर काफी चर्चा होती रहती है। कुछ लोग कहते हैं कि प्लास्टिक की बोतल में पानी रखना हानिकारक है, वहीं कुछ लोग कांच की बोतल को बेहतर मानते हैं। आइए जानते हैं कि फ्रिज में पानी स्टोर करने के लिए कौन-सी बोतल का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है?

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह की प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर आप बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुरक्षित है। हालांकि, सस्ती और घटिया गुणवत्ता की प्लास्टिक में नुकसानदायक रसायन होते हैं, जो पानी में मिल सकते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

कांच की बोतल का चयन करना

कांच की बोतल एक अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह बिना किसी हानिकारक रसायन के होती है। इसके अलावा कांच की बोतलें लंबे समय तक चलती हैं और इनमें रखा पानी ताजा भी लगता है। हालांकि, कांच की बोतलें भारी होती हैं और टूटने का खतरा अधिक होता है, इसलिए इन्हें संभालते समय सावधानी बरतें। इसके साथ ही इन्हें धोकर साफ रखना भी जरूरी है, ताकि इनमें बैक्टीरिया न पनप सकें।

प्लास्टिक बनाम कांचः कौन-सी बोतल है बेहतर?

अब सवाल यह है कि प्लास्टिक और कांच में से कौन-सी बोतल बेहतर है? इसका जवाब देना मुश्किल है, क्योंकि दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। अगर आप लंबे समय तक चलने वाला समाधान चाहते हैं तो कांच की बोतल बेहतर है, लेकिन अगर आप यात्रा के दौरान या ऑफिस में आसानी से इस्तेमाल करना चाहते हैं तो प्लास्टिक एक अच्छा विकल्प है। सबसे जरूरी है कि आप हमेशा बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का ही चयन करें।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्लास्टिक की बोतल में मौजूद कुछ रसायन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ये रसायन पानी में मिल सकते हैं और शरीर में जाकर कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इसके विपरीत कांच की बोतलें पूरी तरह से सुरक्षित होती हैं और इनमें रखे पानी का स्वाद भी प्रभावित नहीं होता। इसलिए, स्वास्थ्य के लिहाज से कांच की बोतल अधिक सुरक्षित मानी जाती है। प्लास्टिक की बोतलों में प्लास्टिक के महीन कण भी घुल जाते हैं।

पर्यावरणीय प्रभाव

प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है, क्योंकि ये आसानी से नष्ट नहीं होतीं और जमीन पर कई साल तक पड़ी रहती हैं। इससे प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीव-जंतु भी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर कांच की बोतलें दोबारा इस्तेमाल की जा सकती हैं और इन्हें लंबे समय तक चलाया जा सकता है। इसलिए, पर्यावरण के लिए कांच की बोतलें बेहतर विकल्प साबित होती हैं।

व्हाइट प्लीटेड फ्लैप पैंटसूट में क्वीन ऑफ कान्स ऐश्वर्या राय का ग्लैमरस अवतार

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन ने रेड-कार्पेट पर बिल्कुल अलग-अलग अंदाज में नजर आईं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने सबसे बोल्ड फैशन मोमेंट्स में से एक को फिनाले के लिए बचाकर रखा था। जब मशहूर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का समापन हुआ, तो बॉलीवुड की इस आइकॉन ने रेड कार्पेट पर एक बेहद शानदार लुक में एंट्री की, जिसने पूरे इंटरनेट को अपना दीवाना बना दिया।

कान्स के फाइनल में ऐश्वर्या राय बच्चन एक क्लासिक सफेद टक्सीडो पहनाना चाहती थीं, जिसमें एक्ट्रेस के कुछ सबसे यादगार ऑन-स्क्रीन लुक्स की झलक हो। इस इंटरनेशनल कान्स फिल्म फेस्टिवल के 79वें संस्करण की समापन सेरेमनी के लिए, क्वीन ऑफ कान्स ने सबसे स्टाइलिश सफेद लुक चुना, एक लेयर्ड टक्सीडो जिसमें पंखों की डिटेलिंग थी, एक फेदर बोआ।

हालांकि ऐश्वर्या ने कान्स रेड कार्पेट पर कई बार सफेद रंग के आउटफिट पहने हैं, लेकिन यह टक्सीडो अब तक के उनके सबसे बेहतरीन लुक्स में से एक है। यह आउटफिट चीनी डिजाइनर चेनी चान ने खास तौर पर डिजाइन किया है, और इसकी स्टाइलिंग भारतीय सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट मोहित राय और उनकी टीम ने की है। इंस्टाग्राम पेज बॉलीवुड वीमेन क्लोसेट के अनुसार, उनके गहने यूके स्थित हसनजादेह ज्वेलरी के हैं।

एक्ट्रेस ने एक बेहद स्टाइलिश सफेद ब्लेजर पहना था, जिस पर चारों ओर चमकते हुए सेक्विन का काम किया गया था। इसकी बनावट को उभरे हुए कंधों, परतदार नॉच लैपल्स और लेस की कारीगरी से और भी ज्यादा शानदार बना दिया गया था।

कमर पर फिटिंग वाली बनावट ने उनकी काया को बेहद खूबसूरती से तराशा, वहीं क्रिस्टल जड़े हुए सामने के क्लोजर ने इस स्ट्रक्चर्ड जैकेट को एक गहने जैसा आकर्षक रूप दिया। इसके नीचे, ऐश्वर्या ने ब्लेजर के साथ एक मैचिंग सफेद बस्टियर पहना था, जिस पर लेस की कढ़ाई की गई थी और जो ब्लेजर के नीचे से हल्की-हल्की झलक रही थी।

अपने सिग्नेचर ब्राउन वेवी बालों को खुला छोड़कर, ऐश्वर्या ने अपने लुक को सटल और एलिगेंट मेकअप के साथ पूरा किया। कान्स के प्रतिष्ठित रेड स्टेप्स पर चलते हुए ली गई इस तस्वीर में वह आत्मविश्वास और गरिमा से भरपूर नजर आ रही है।

पोस्टर पर बनी महिला के साथ युवाओं ने की घिनौनी हरकत, भूमि पेडनेकर ने लताड़ा; सरकार से की ये मांग

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अपनी एक पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। उनकी पोस्ट महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है। इस पर उन्होंने एक कैप्शन लिखा है। इसमें उन्होंने उन लोगों को जमकर लताड़ लगाई है, जो पोस्टर पर बनी महिला के साथ गलत व्यवहार करते हैं।

भूमि की पोस्ट में क्या है?

भूमि ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि कुछ लोग एक महिला की वॉल पेंटिंग के सामने अश्लील इशारे करते दिख रहे हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट ट्यूब इंडियन पर शेयर किए गए एक वीडियो में, कुछ लोगों को कथित तौर पर एक स्विमिंग पूल के पास बनी महिला की वॉल पेंटिंग के साथ गलत व्यवहार करते देखा गया। यह वीडियो वायरल हो गया।

भूमि पेडनेकर ने की सख्त कानून की मांग

भूमि पेडनेकर ने वायरल वीडियो को लेकर लिखा 'यह है हमारे युवाओं की मानसिकता। ये वही लोग हैं जो आगे चलकर बच्चों और महिलाओं का यौन उत्पीड़न करेंगे। हम एक महामारी के दौर से गुजर रहे हैं। सिर्फ बातें करना और शर्मिंदगी जाहिर करना काफी नहीं है। सख्त कानून की जरूरत है।'

यह पहली बार नहीं है, जब भूमि ने हाल की घटनाओं पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। जनवरी में, एक्ट्रेस ने बताया था कि दिल्ली में 10, 13 और 14 साल के तीन लड़कों की तरफ से कथित तौर पर एक छह साल की बच्ची के साथ गैंगरेप की खबरों से वह बहुत ज्यादा परेशान थीं। एक्ट्रेस ने कहा, 'कम उम्र के लड़कों को इतना जघन्य अपराध करते देखना मेरा दिल तोड़ देता है। जरा सोचिए कि वे किस माहौल में पल-बढ़ रहे हैं।

हम अपने देश में उन लोगों को सजा दे रहे हैं जिनकी कोई आवाज नहीं है। हमने कुत्तों को खतरा बताकर इस मुद्दे को सनसनीखेज बना दिया है।'

भूमि पेडनेकर का वर्कफ्रंट

भूमि पेडनेकर को आखिरी बार सीरीज 'दलदल' में देखा गया था। यह सीरीज 'भिंडी बाजार' किताब पर आधारित है। इसमें उन्होंने डीसीपी रीता फरेरा का किरदार निभाया है। इसमें समारा तिजोरी और आदित्य रावल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज 30 जनवरी को रिलीज हुई थी।

खास खबर

विधायक रोहित साहू ने किया बोरसी में अटल डिजिटल सेवा केंद्र का किया उद्घाटन

गरियाबंद । फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोरसी में आज राजिम विधायक रोहित साहू ने अटल डिजिटल सेवा केन्द्र (सीएससी भवन) का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 5 लाख रुपये की लागत से वर्ष 2024-25 में स्वीकृत इस भवन का निर्माण ग्रामीण क्षेत्र में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को शासन की सेवाओं से सहज रूप से जोड़ने के लिए किया गया है। कार्यक्रम में कलेक्टर बी.एस. उइके सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर विधायक रोहित साहू ने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केन्द्र के स्थापित होने से गांव के नागरिकों को शासन की ऑनलाइन सेवाएँ अब घर-गाँव में ही आसानी से उपलब्ध होंगी, जिससे छोटे-छोटे कामों के लिए शहर की ओर जाना नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इस केन्द्र से युवाओं को डिजिटल प्रशिक्षण, प्रमाण-पत्र सेवाएँ, ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज़ संबंधी कार्य और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पंजीयन की सुविधाएँ आसानी से मिल सकेंगी।

धमतरी के युवाओं ने रचा इतिहास

धमतरी । धमतरी जिले के लिए आज का दिन गर्व, प्रेरणा और ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक बन गया। जिले के प्रतिभाशाली छात्र दिगंत राठी और हिमांशु जैन का चयन प्रतिष्ठित Google India Student Ambassador Program में हुआ है। वहीं यश राजक और योगिता का चयन देश के प्रसिद्ध यूट्यूबर एवं डिजिटल क्रिएटर मनोज डे की Internship Program के लिए हुआ है। इन उपलब्धियों पर आज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में इन युवाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले के लिए यह बेहद गर्व और प्रेरणा का क्षण है। बिना किसी बड़े टेक्निकल कॉलेज या राष्ट्रीय संस्थान के भी जिले के युवाओं ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के दम पर वह मुकाम हासिल किया है, जिसे अक्सर आईआईटी और नीट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र प्राप्त करते हैं।

उप जेल मनेन्द्रगढ़ के आसपास ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

एमसीबी। उप जेल मनेन्द्रगढ़ की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने जेल परिसर एवं उसके आसपास ड्रोन संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े द्वारा जारी आदेश के अनुसार उप जेल मनेन्द्रगढ़ परिसर एवं उसकी 500 मीटर परिधि को तत्काल प्रभाव से नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। यह आदेश आगामी 21 नवंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा।यह कार्रवाई सहायक जेल अधीक्षक, उप जेल मनेन्द्रगढ़ द्वारा सुरक्षा कारणों से किए गए अनुरोध तथा मुख्यालय जेल सुधारात्मक सेवाएं, रायपुर से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में की गई है। प्रशासन के अनुसार उप जेल मनेन्द्रगढ़ एक संवेदनशील शासकीय संस्थान है।

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त केंद्र बनेगा नया सामाजिक भवन- मंत्री राजेश अग्रवाल

समाज की परंपराओं, संस्कारों और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के विकासखंड उदयपुर के अंतर्गत ग्राम देवगढ़ में कंवर समाज विकास समिति, सरगुजा के तत्वावधान में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंनें कहा कि यह भवन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त केंद्र बनेगा। इस गरिमामयी समारोह में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि समाज की एकता, समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखने में ऐसे सामाजिक भवनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह नवनिर्मित भवन केवल ईंट-पत्थरों से बनी एक भौतिक संरचना नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय में सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक चेतना का एक जीवंत केंद्र बनेगा। उन्होंने समाजहित और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में कंवर समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक पहचान यहाँ की अनूठी जनजातीय संस्कृति, उच्च जीवन मूल्य और आपसी सामाजिक सौहार्द में निहित है। राज्य सरकार सर्वसमाज के कल्याण और उनकी सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री अग्रवाल ने रेखांकित किया कि सामाजिक भवन समाज के लोगों को एक ऐसा साझा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों का निष्पादन सुगमता से किया जा सकता है। सामूहिक आयोजनों से समाज में आपसी संवाद, सांगठनिक ढांचा और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ होती है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के कल्याण और विकास के लिए एक बहुउपयोगी केंद्र साबित होगा। उन्होंने कहा कि अपनी गौरवशाली संस्कृति और गौरव को नई पीढ़ी तक हस्तांतरित करना हम सभी का साझा दायित्व है।

संस्कृति मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को सहेजने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के लिए निरंतर क्रियाशील है। प्रदेश के हर समाज और समुदाय को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का भगीरथ प्रयास किया जा रहा है।

लोकार्पण समारोह के दौरान कंवर समाज के प्रतिनिधियों ने पारंपरिक रीति-रिवाज से मंत्री श्री अग्रवाल का आत्मीय स्वागत किया। संपूर्ण आयोजन के दौरान समाजजनों में भारी उत्साह, सांस्कृतिक आत्मीयता और सामुदायिक सहभागिता का एक अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

सुशासन तिहार में 'बिहान' योजना से महिला सशक्तिकरण को मिला नया बल

तिरंगा आजीविका ग्राम संगठन को मिला 60 हजार रुपये का एमसीपी चेक, आजीविका गतिविधियों से आत्मनिर्भर बनेंगी ग्रामीण महिलाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहा है। राज्य शासन की बिहान योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्व-रोजगार और आजीविका गतिविधियों के लिए निरंतर प्रोत्साहन एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इसी क्रम में सरगुजा जिले के उडूमकेला स्थित तिरंगा आजीविका ग्राम संगठन से जुड़ी महिलाओं को माइक्रो क्रेडिट प्लान के अंतर्गत 60 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। सहायता राशि मिलने से समूह की महिलाओं में उत्साह का माहौल है।

सौम्या स्वयं सहायता समूह की सदस्य चंद्रकांता ने बताया कि प्राप्त राशि को समूह की महिलाओं के बीच आवश्यकतानुसार वितरित किया जाएगा। इस राशि का उपयोग कृषि कार्य, उन्नत पशुपालन और मत्स्य पालन जैसी आजीविका गतिविधियों में किया जाएगा।उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगी, बल्कि गांव में आत्मनिर्भरता और रोजगार के नए अवसर भी विकसित करेंगी।

श्रीमती चंद्रकांता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बिहान योजना और सुशासन तिहार के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल से ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। बिहान योजना से जुड़ी महिलाएं कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य स्व-रोजगार गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

तिरंगा आजीविका ग्राम संगठन जैसी पहलें ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में सकारात्मक बदलाव का उदाहरण बन रही हैं।

मानसून पूर्व तैयारियां तेज, मुख्य सचिव ने ली बाढ़ नियंत्रण हाई पावर कमेटी की बैठक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आगामी मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। राहत शिविरों के प्रबंधन से लेकर आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी आवश्यक पहलुओं पर व्यापक रणनीति तैयार की गई।

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य स्तरीय उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर्स को कड़े निर्देश- 1 जून से शुरू होगी दैनिक मॉनिटरिंग मुख्य सचिव ने राज्य के सभी जिला कलेक्टर्स एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्षों को मानसून 2026 के मद्देनजर सुरक्षा और राहत व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। सभी कलेक्टर्स को आगामी 1 जून से प्रतिदिन वर्षा की स्थिति और उससे होने वाली संभावित क्षति की जानकारी अनिवार्य रूप से शासन को भेजनी होगी। प्रत्येक जिले में बाढ़ नियंत्रण के लिए विशेष नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।राज्य और जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में जून माह में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। आपदा के समय त्वरित सहायता और समन्वय के लिए राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) क्रियाशील कर दिया गया है। महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र इसके साथ ही सभी जिला मुख्यालयों में भी जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा चुके हैं।

शिक्षा, संस्कार और सपनों का संगम बना कातलबोड़ का निःशुल्क करियर शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। ग्राम कातलबोड़ में आयोजित निःशुल्क शैक्षिक एवं करियर मार्गदर्शन शिविर केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने वाला प्रेरक सामाजिक अभियान बनकर उभरा है। साहू समाज बानगर परिक्षेत्र द्वारा कर्मचारी प्रकोष्ठ के निर्देशन में संचालित इस शिविर ने शिक्षा, संस्कार, करियर जागरूकता और सामाजिक चेतना को एक साथ जोड़ते हुए गांवों में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है।

समापन समारोह में आज कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने विद्यार्थियों, पालकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की पढ़ाई सबसे बड़ा निवेश है। आज बच्चों को सही दिशा और अवसर देना ही समाज का सबसे बड़ा दायित्व है। उन्होंने पालकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रखते हुए शिक्षा और संस्कार की ओर प्रेरित करें।

कलेक्टर मिश्रा ने अपने छात्र जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि कक्षा आठवीं में लगाया गया एक समर कैंप उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट बना था। उन्होंने विद्यार्थियों को संघर्ष से सीखने, असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे मजबूत बनने और सफलता मिलने पर विनम्र बने रहने की सीख दी। चार वर्षों से लगातार संचालित यह शिविर अब ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए आशा का केंद्र बन चुका है।

सड़क दुर्घटना के घायलों को मिल रहा त्वरित उपचार, 1.50 लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा

गोल्डन ऑवर में जीवन बचाने की मुहिम, राजनांदगांव जिले में योजना के तहत अब तक 12 गंभीर मरीजों का सफल इलाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम-राहत (प्रधानमंत्री रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेशन एंड एश्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को तत्काल और कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य दुर्घटना के ठीक बाद के सबसे संवेदनशील समय यानी गोल्डन ऑवर में पीड़ितों को बिना किसी कागजी औपचारिकता या देरी के अस्पताल पहुँचाकर उच्च गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करना है। योजना के तहत सड़क दुर्घटना के शिकार पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती होने के दिन से अधिकतम 7 दिनों तक प्रति व्यक्ति 1 लाख 50 हजार तक का निःशुल्क इलाज दिया जाता है। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से इस योजना का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह तक जिले में 12 सड़क दुर्घटना पीड़ितों को इस योजना के तहत पंजीकृत कर त्वरित उपचार प्रदान किया जा चुका है। इनमें से 10 गंभीर मरीजों का इलाज भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, राजनांदगांव में किया गया और 2 मरीजों का आकस्मिक उपचार अनुबंधित संजीवनी नर्सिंग होम, चिखली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि, ष्सड़क दुर्घटनाओं में समय पर सही इलाज न मिलना ही सबसे अधिक मौतों का कारण बनता है। पीएम-राहत योजना इसी कमी को दूर करती है। दुर्घटना के बाद के प्रारंभिक समय (गोल्डन ऑवर) में त्वरित और निःशुल्क चिकित्सा मिलने से मरीजों की स्थिति को बिगड़ने से रोका जा सकता है और कई अनमोल जानें बचाई जा सकती हैं।

योजना के सुचारू, पारदर्शी और निर्बाध संचालन के लिए राजनांदगांव जिले के चिकित्सा अमले को पूरी तरह मुस्तैद किया जा चुका है। जिले के कुल 34 शासकीय अस्पतालों तथा 38 निजी अस्पतालों के प्रभारियों एवं संचालकों को योजना के तहत कैशलेस क्लेम और त्वरित भर्ती प्रक्रिया का विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

सद्भावना साहित्य संस्थान के आयोजन में गूंजे प्रेम, समाज और मानवीय संवेदनाओं के स्वर

कविता, विचार और संवेदनाओं से सजी यादगार काव्य संध्या

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था सद्भावना साहित्य संस्थान द्वारा वृंदावन हॉल रायपुर में 24 मई 26 को भव्य काव्य संध्या का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित इस साहित्यिक समारोह में अंचल के ख्याति प्राप्त कवियों और रचनाकारों ने अपनी ओजस्वी, भावनात्मक और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार सुषमा प्रेम पटेल ने की, जबकि मंच संचालन विवेक भट्ट द्वारा प्रभावी अंदाज में किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र रावल रहे।

काव्य संध्या में कवियों ने प्रेम, समाज, रिश्तों, मानवीय संवेदनाओं और वर्तमान समय की विसंगतियों पर आधारित रचनाओं की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी।

योगेश शर्मा योगी ने अपनी पंक्तियों शिकायतें बहुत है खुलाशा कौन करे, मुस्कुरा देते हैं तमाशा कौन करे... से सामाजिक विडंबनाओं पर कटाक्ष किया। सत्येन्द्र तिवारी सकुति ने प्रेम और भ्रम की भावनाओं को शब्द देते हुए श्रोताओं को भावुक कर दिया। वहीं राजेश जैन राही ने रिश्तों में बढ़ती दूरी और अकेलेपन को अपनी कविता में अभिव्यक्त किया।

कल्याणी तिवारी ने विश्व में बढ़ती विषमता और अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए मानवता को आईना दिखाया, जबकि विघासागर जनप्रिय ने प्रेम और मानवता का संदेश देते हुए कहा- नफ़रत तो हर कोई बोता है, राजेन्द्र रायपुरी ने मौसम की रिमझिम फुहारों का सुंदर चित्र खींचा, वहीं मोहम्मद यूशा के शेरों ने महफिल में अलग ही रंग जमा दिया।

कार्यक्रम में रुनाली चक्रवर्ती, गोपा शर्मा, उरकुर कर, कुमार जगदलवी, दृष्टि टंडन, मजाहिर, छबिलाल सोनी और महेंद्र ठाकुर की प्रस्तुतियों पर भी श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई और काव्य रस का भरपूर आनंद लिया। कुमार चतुर्वेदी की मार्मिक पंक्तियों -अर्ध नग्न रिश्तों की टोली, खींच रही लक्ष्मण रेखाएं... ने आधुनिक समाज में टूटते रिश्तों और बदलती मर्यादाओं पर गहरा चिंतन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान अध्यक्ष योगेश शर्मा योगी ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को साहित्य से जोड़ना और समाज में संवेदनशीलता एवं सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना है। साहित्य प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया।

औषधीय पौधों की खेती छत्तीसगढ़ के किसानों की आर्थिक उन्नति का बेहतर विकल्प- अंजय शुक्ला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा आज राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (एसएफआरटीई), रायपुर के परिसर में एक दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला की अध्यक्षता बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने की।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती एक गेम-चेंजर साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक धान की खेती में इनपुट कॉस्ट (लागत) लगातार बढ़ रही है और उसके मुकाबले शुद्ध लाभ अपेक्षाकृत कम होता है। इसके विपरीत, औषधीय पौधों की खेती में कम लागत और कम मेहनत में कई गुना अधिक लाभ कमाने की अपार संभावनाएं हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए किसानों को अब फसल विविधीकरण को अपनाना होगा। किसानों को प्रोत्साहित करने और उनके जोखिम को कम करने के लिए श्री शुक्ला ने बोर्ड द्वारा दी जा रही विशेष सुविधाओं की जानकारी दी। इच्छुक किसानों को बोर्ड की तरफ से निःशुल्क पौधे, उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण और व्यावहारिक ज्ञान के लिए अध्ययन भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) की सुविधा दी जा रही है। किसानों को फसल बेचने की चिंता से मुक्त करने के लिए बोर्ड द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित व्यापारिक व औषधीय संस्थाओं से पूर्व अनुबंध (प्री कॉन्ट्रैक्ट) कराया जाता है, जिससे उत्पादन के तुरंत बाद तयशुदा कीमतों पर खरीदी सुनिश्चित हो सके। कार्यशाला के तकनीकी व व्यावहारिक सत्र में बोर्ड के सलाहकार और सेवानिवृत्त वनमंडलाधिकारी डी.के.एस. चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने किसानों को मिट्टी और पानी की उपलब्धता के आधार पर फसलों के चयन की वैज्ञानिक विधियां सिखाईं। धान के खेतों के लिए विकल्परू जिन खेतों में पानी भरा रहता है, वहाँ धान के बदले आसानी से ब्राह्मी और वच की व्यावसायिक खेती की जा सकती है।

खास खबर

सब्जी के कैरेट में छिपाकर ले जाया जा रहा 130 किलो गांजा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। जिले की देवभोग पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 130 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 65 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में उत्तर प्रदेश निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से उत्तर प्रदेश की ओर भारी मात्रा में गांजा भेजा जा रहा है। सूचना के आधार पर खुटगांव चेकपोस्ट पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन में रखे सब्जी के कैरेटों के नीचे गांजे के पैकेट छिपाकर रखे गए थे। पुलिस ने सभी पैकेट बरामद कर आरोपी राहुल पांडेय निवासी गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पानी की तलाश में सिंदूर नदी पहुंचे 22 हाथी, वन विभाग ने लोगों को किया सतर्क

बलरामपुर। भीषण गर्मी और जंगलों में जल स्त्रोतों के सूखने से हाथियों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। बलरामपुर वन मंडल क्षेत्र में 22 हाथियों का दल पानी की तलाश में सिंदूर नदी तक पहुंच गया है। हाथियों की लगातार मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग अलर्ट मोड पर है। जानकारी के अनुसार रामानुजगंज वन परिक्षेत्र में हाथियों का यह दल पिछले एक महीने से अधिक समय से विचरण कर रहा है। क्षेत्र में बढ़ती गर्मी और जल संकट के कारण हाथियों को जंगलों से निकलकर नदी किनारे और आबादी के समीप स्थित क्षेत्रों की ओर जाना पड़ रहा है। वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की निगरानी कर रही है। प्रभावित क्षेत्रों में मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से जंगल की ओर अकेले नहीं जाने और हाथियों के नजदीक पहुंचने से बचने की अपील की है।

सरपंच के नाम से बनाई फर्जी फेसबुक आईडी, महिला की तस्वीरों पर किए अश्लील कमेंट

गौरेला। सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर लोगों को परेशान करने का एक और मामला सामने आया है। गौरेला थाना क्षेत्र में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके परिचित सरपंच के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसे परेशान किया गया। महिला की तस्वीरों पर अश्लील टिप्पणियां की गईं और फोटो को अभद्र तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल करने का प्रयास किया गया। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि फेसबुक पर परिचित व्यक्ति के नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आने पर उसने उसे स्वीकार कर लिया था। कुछ समय बाद उस अकाउंट से लगातार आपत्तिजनक संदेश और टिप्पणियां आने लगीं। महिला ने जब संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया।

अन्तर्राज्यीय चोर गिरोह का सरगना नासिर हुसैन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर, दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्र में चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के मुख्य सक्रिय आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दिल्ली के शाहीन बाग, मदनपुर खादर एवं नोएडा क्षेत्र में 15 दिनों तक पुलिस आरोपी पर नजर रख रही थी। पुलिस टीम ने जनगणना अधिकारी एवं स्थानीय बकरा विक्रेता के रूप में रहकर आरोपी के ठिकानों की गोपनीय जानकारी जुटाई और यमुना एक्सप्रेस-वे पर लगभग 300 किलोमीटर तक पीछा कर आरोपी को पकड़ा। आरोपी के पास से 20 लाख का मशरुका बरामद किया गया है।

बता दें इस माह की शुरुआत में नेहरू नगर भिलाई थाना सुपेला पदमनाभपुर दुर्ग क्षेत्र में हो रही चोरियों के मामले में अन्तराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश कर आरोपी हासिम खान निवासी शालीमार गाईन मेरठ (उप्र) को 17 मई 2026 को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के साथ चोरी का जेवर खरीदने वाले ज्वेलरी शाप संचालक सलीम खान निवासी मेरठ को गिरफ्तार कर उसके पास से 60 लाख का सोना बरामद किया गया था।

घटना में शामिल फरार आरोपी कुख्यात एवं शातिर आरोपी नासिर हुसैन निवासी शाहीनबाग दिल्ली के शाहीन बाग एवं मदनपुर खादर, नोएड़ा क्षेत्र जैसे घनी आबादी, संकरी गलियों तथा बहुमंजिला फ्लैटों वाले क्षेत्रों में लगातार ठिकाना बदलकर छिपा हुआ था, जिससे उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण बनी हुई थी। स्थानीय स्तर पर आरोपी नासीर हुसैन के संबंध में पर्याप्त जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस टीम ने अत्यंत पेशेवर एवं गोपनीय तरीके से क्षेत्र में काम प्रारंभ किया। पुलिस टीम ने स्थानीय गतिविधियों का सूक्ष्म अध्ययन कर पाया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में बकरा विक्रेता सक्रिय रहते हैं। इसके बाद पुलिस के सिविल स्टाफ ने स्थानीय लोगों के बीच घुलमिलकर बकरा विक्रेताओं के साथ रहकर एवं बकरा विक्रेता के साथ कई दिनों तक क्षेत्र में सक्रिय रहकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं ठिकानों की जानकारी एकत्रित की इस दौरान टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों का चिन्हांकन किया। इसके बावजूद आरोपी के बार-बार ठिकाना बदलने के कारण सटीक जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

इसके बाद पुलिस टीम ने क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्य की आड़ लेकर जनगणना अधिकारी के वेश में घर-घर जाकर वांछित आरोपी नासीर हुसैन के ठहरने एवं आवागमन की जानकारी जुटाई। यह अभियान लगातार एक सप्ताह तक अत्यंत गोपनीय एवं रणनीतिक तरीके से संचालित किया गया। इसी दौरान पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी नासिर हुसैन चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बेचकर खरीदी गई कार से बिहार के दरभंगा भाग रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और यमुना एक्सप्रेस-वे पर तेज गति लगभग 150-160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से भाग रहे आरोपी को लगभग 300 किमी दूरी का पीछा करते हुए आगरा रोड क्षेत्र में हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी नासिर हुसैन अपने अन्य साथियों के साथ वर्ष 2019 से मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, चंडीगढ़ तथा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्रों में करोड़ो रुपये की चोरी की घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि चोरी किए गए सोने-चांदी एवं नगदी रकम से लगभग 10 लाख की एक सेकंड हैंड किआ कंपनी की कार क्रमांक डीएल-4सी/एजेड 7383 खरीदी थी, जिसका उपयोग वह लगातार कर रहा था। इसके अतिरिक्त आरोपी की निशानदेही पर डायमंड नेकलेस, सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के नए कपड़े एवं साड़ियां, नगदी रकम अन्य सामग्री बरामद की गई। कुल मिलाकर लगभग 20,00,000 (बीस लाख) मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है। आरोपी नासिर को दिल्ली से विधिवत ट्रांजिट रिमांड पर लाकर दुर्ग न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जब्त सामग्री: नगदी रकम एक लाख बाईस हजार रुपए, डायमंड का ब्रेसलेट (एक नग) कीमती 7 लाख रुपए, अमेरिकन डायमंड 50 हजार रुपए, सोने का आभूषण 7.500 ग्राम सोना चांदी के सिक्के एवं आभूषण 5.60 ग्राम, नये कपड़े 3 लाख रुपए, किया (सेलटास)कंपनी की कार 8 लाख रुपए आदि है।

मानसिक रूप से कमजोर युवती से दुष्कर्म बहन ने रंगेहाथ पकड़ा, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। इंसानियत को शर्मसार करने वाली वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर दिया, जहां मानसिक रूप से कमजोर 32 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म करते आरोपी को पीड़िता के परिजनों ने रंगेहाथ पकड़ लिया और अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला जशपुर के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है, जहां 23 मई 2026 को पीड़िता की छोटी बहन ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में बताया गया कि उसकी बड़ी बहन पिछले 15-16 वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ है, किसी से बातचीत नहीं करती और परिवार के साथ ही रहती है। 21 मई की शाम करीब 6 बजे पीड़िता घर के आंगन में बैठी थी, लेकिन एक घंटे बाद जब परिवार उसे खाना खिलाने पहुंचा तो वह गायब मिली। परिवार घबराकर गांव में तलाश करने लगा। इसी दौरान जब वे 41 वर्षीय आरोपी संतोष राम के घर के पास पहुंचे तो अंदर से पीड़िता की खांसी की आवाज सुनाई दी। परिजन तुरंत घर के भीतर पहुंचे तो देखा कि आरोपी संतोष राम मानसिक रूप से कमजोर युवती के साथ आपत्तिजनक हालत में था। परिवार को देखते ही आरोपी मौके से भाग निकला। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना सिटी कोतवाली जशपुर पुलिस ने तत्काल बीएनएस की धारा 64(2)(द्य) और 87 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी को उसके घर से हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर 24 मई 2026 को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मोर ध्वज देशमुख, महिला प्रधान आरक्षक सावित्री भगत सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

डॉ लाल उमेद सिंह ने साफकहा कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। बहरहाल, यह मामला सिर्फ एक अपराध नहीं बल्कि समाज के लिए चेतावनी है कि मानसिक रूप से कमजोर और असहाय लोगों की सुरक्षा में जरा सी लापरवाही भी भयावह साबित हो सकती है।

72 घंटे के ऑपरेशन में ध्वस्त हुआ ऑनलाइन सट्टे का काला साम्राज्य, 26 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आईपीएल सट्टे के करोड़ों के काले खेल पर रायपुर पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि कोलकाता से हरियाणा तक फैला पूरा नेटवर्क हिल गया। लगातार 72 घंटे चले हाईटेक ऑपरेशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने 5 बड़े ऑनलाइन सट्टा पैनल ध्वस्त करते हुए 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कार्रवाई न्यू राजेंद्र नगर, मौदहापारा, तेलीबांधा और तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्रों में की गई, जहां पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए देशभर में फैले गिरोह की परतें खोलीं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 59 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 17 लाख 92 हजार 70 रुपए नकद और एक चारपहिया वाहन जब्त किया, जबकि कुल जब्त संपत्ति की कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई जा रही है। गिरोह समेत कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और पैनलों के जरिए क्रिकेट सट्टा संचालित कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़, झारखंड, हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल तक फैले नेटवर्क के जरिए ऑनलाइन बेटिंग चला रहे थे।

इस मामले में रायगढ़ निवासी अमन नथानी, रायपुर निवासी राम लालवानी, सौरभ मुकीम, करण पिंजानी उर्फ किट्ठू, शेख आसिफ, इमाम अहमद, राहुल फुटानी, गौतम पंजवानी, किशन उर्फ सोनू हिंदुजा, अजय उर्फ मॉन्टू साहू, मुकेश जंघेल और अमित जंघेल समेत कुल 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में कई ऐसे चेहरे भी शामिल हैं जिन पर पहले से ऑनलाइन सट्टा संचालन के मामले दर्ज बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से जुड़े डिजिटल सबूत भी बरामद किए हैं। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 और बीएनएस की धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस अब आरोपियों की चल-अचल संपत्ति अटैच करने की तैयारी में जुट गई है। फिलहाल रायपुर पुलिस की इस कार्रवाई ने ऑनलाइन IPL सट्टे के उस काले नेटवर्क को बेनकाब कर दिया है जो मोबाइल स्क्रीन के पीछे करोड़ों का खेल चला रहा था।

रेत की अवैध तस्करी पर खनिज विभाग की कार्रवाई: 36 गाड़ियां जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। रेत की अवैध तस्करी और चुना पत्थर का परिवहन करते हुए 36 वाहनों को जब्त किया है।

साथ ही 4 भंडारणकर्ताओं के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जब्त वाहनों को पुलिस को सौंप दिया गया है। खनिज विभाग के संचालक और बस्तर कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई।

दरअसल, जिला खनिज जांच उड़नदस्ता दल ने अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार औचक निरीक्षण कर कार्रवाई की।

जांच दल ने उपनपाल, देवड़ा, कोडेनार, बड़ेआमाबाल, कोरपाल, बस्तर, खोरखोसा, बेलगांव, धरमपुरा, जगदलपुर, कुम्हरावंड, पिपलावंड, बजावंड, बडांजी, छापरमानपुरी, तारापुर और बनियागांव क्षेत्रों में निरीक्षण किया। रेत की अवैध तस्करी और चुना पत्थर का परिवहन करते हुए 36 वाहनों को जब्त किया है। रेत की अवैध तस्करी और चुना पत्थर का परिवहन करते हुए 36 वाहनों को जब्त किया है।

इस दौरान अवैध रूप से गौण खनिज चुना पत्थर, रेत का उत्खनन, परिवहन और भंडारण करते पाए जाने पर संबंधित परिवहनकर्ताओं, उत्खननकर्ताओं और भंडारणकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किए गए। कुल 36 गाड़ियों को भी जब्त किया गया है।

खनिज विभाग के अनुसार सभी मामलों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 और खान-खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1967 की धारा 21 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की गई है।

आईपीएल सट्टे का डिजिटल अड्डा ध्वस्त, मोबाइल से करोड़ों के खेल का खुलासा, युवक गिरफ्तार

कबीरधाम। आईपीएल मैच पर मोबाइल से दांव लगाकर ऑनलाइन सट्टे का खेल चला रहे युवक को कबीरधाम पुलिस ने रंगेहाथ दबोच लिया। साइबर टीम की जांच में मोबाइल से सट्टा लिंक, व्हाट्सएप चैट और डिजिटल लेनदेन के ऐसे सबूत मिले जिन्होंने पूरे नेटवर्क की परतें खोल दीं। जिले में ऑनलाइन जुए और सट्टे के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के बीच यह कार्रवाई चौकी पोड़ी क्षेत्र के ग्राम बैहरसरी में की गई, जहां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक एंड्रॉइड मोबाइल के जरिए आईपीएल क्रिकेट मैच में ऑनलाइन दांव लगाकर रकम का लेनदेन कर रहा है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल और अमित पटेल तथा एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिक के मार्गदर्शन में चौकी पोड़ी प्रभारी उप निरीक्षक लक्ष्मी नारायण साव और साइबर टीम ने घेराबंदी कर आरोपी रघुवीर वर्मा पिता फागूराम वर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम बैहरसरी चौकी पोड़ी थाना बोड़ला जिला कबीरधाम को पकड़ा। तलाशी में उसके कब्जे से वीवो कंपनी का वी-50 मोबाइल और एयरटेल सिम बरामद हुआ। मोबाइल की जांच में ऑनलाइन आईपीएल सट्टा प्लेटफॉर्म से जुड़े लिंक, इंटरनेट हिस्ट्री, व्हाट्सएप चैट और सट्टा संचालन से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड मिले। पूछताछ में आरोपी ने मोबाइल के जरिए आईपीएल सट्टा खेलने और रकम के लेनदेन की बात कबूल कर ली।

1.04 करोड़ की ठगी मामला: महाराष्ट्र से पिता-पुत्र गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में डिजिटल अरेस्ट और टेरर फंडिंग का डर दिखाकर रिटायर्ड महिला प्रोफेसर से 1.04 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले गैंग के दो और सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र के रहने वाले आरोपियों से केवल बैंक पासबुक और लेनदेन के रिकार्ड मिले हैं।

आरोपियों के खाते में ठगी के 54 लाख 40 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए थे, जिसे मास्टर माइंड निकाल ले गए। पकड़े गए आरोपी पिता-पुत्र दो प्रतिशत कमीशन के चक्कर में अपना अकाउंट ठगों को दे दिया था।

सिटी कोतवाली सीएसपी और रेंज साइबर प्रभारी गगन कुमर के अनुसार आरोपियों ने महिला को व्हाट्सएप मैसेज और वीडियो कॉल के संपर्क किया था। ठगों ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताते हुए महिला को डराया कि उनका नाम किसी आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद महिला को लगातार मानसिक दबाव में रखकर तथाकथित डिजिटल अरेस्ट किया गया। डर और गिरफ्तारी की धमकी देकर ठगों ने महिला से अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपए जमा करा लिए। तकनीकी जांच और बैंक खातों के विश्लेषण के दौरान पुलिस को पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक के एक खाते में ठगी की 54 लाख 40 हजार रुपए की रकम जमा हुई है। इसके बाद विशेष टीम गठित कर महाराष्ट्र रवाना किया गया।

महाराष्ट्र के भंडारा जिले के वरठी थाना के गांधी वार्ड में दबिश देकर पुलिस ने मोहम्मद नेमतउल्लाह मंसूरी (25) पिता अब्दुल कयूम मंसूरी और अब्दुल कयूम अंसारी (47) पिता मोहम्मद शहीद गिरफ्तार कर लिया है।

पूछताछ में आरोपी नेमतउल्लाह मंसूरी ने पुलिस को बताया कि वह 2 प्रतिशत कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराता था। उसी खाते का उपयोग डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन फ्रॉड और शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड जैसे मामलों में किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी नेपाल के काठमांडू जाकर अपना बैंक खाता अन्य साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी का पिता अब्दुल कयूम अंसारी भी इस अवैध गतिविधि में शामिल था और मुख्य आरोपियों से लगातार मोबाइल के जरिए संपर्क में रहता था।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-07

Email id: ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं. 1433/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 दुर्ग, दिनांक 22/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	गुरू घासीदास सांस्कृतिक भवन एवं मंदिर विकास तथा कल्याण समिति हेतु सामुदायिक भवन निर्माण शिवाजी नगर खुर्सीपार भिलाई नगर जिला दुर्ग। S.T.N.-191517	42.72

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्त-त निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 22.05.2026 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करनी की अंतिम तिथि 31.05.2026 तक है।

जी-262700970/4

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

धमतरी पुलिस का गांजा नेटवर्क पर सटीक वार

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों, शराब, जुआ एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध सघन एवं निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क पर लगातार प्रभावी प्रहार किया जा रहा है। विशेष रूप से बोरई, कुन्दई एवं विश्रामपुरी ट्राई-जंक्शन क्षेत्र में रणनीतिक रूप से चेक पोस्ट स्थापित कर चौकस निगरानी एवं सघन वाहन चेकिंग की जा रही है। पुलिस अधीक्षक धमतरी द्वारा स्वयं नाकों का निरीक्षण कर अधिकारी-कर्मचारियों को प्रत्येक संदिग्ध वाहन की सूक्ष्म जांच करने, तस्करी के नए तरीकों पर सतर्क रहने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखने के स्पष्ट एवं कड़े निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख खबरें

राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन 29, 30 एवं 31 मई को

रायपुर। उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रकृति की ओर' सोसाइटी के सहयोग से 29, 30 एवं 31 मई 2026 को कृषि मंडपम, कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में राष्ट्रीय आम महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। साथ ही आम से निर्मित खाद्य उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय, आम पौधों का प्रदर्शन, तकनीकी संगोष्ठी, कृषकों एवं उद्यमियों के साथ परिचर्चा तथा वानस्पतिक प्रवर्धन तकनीकों का जीवंत प्रदर्शन भी आयोजित किया जाएगा।

कालाबाजारी : 1386 बोरी खाद जब्त, तीन कृषि केंद्र सील

डोंगरगढ़। उर्वरकों की अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन राजनांदगांव ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1386 बोरी खाद जब्त कर तीन कृषि केंद्रों को सील कर दिया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने डोंगरगढ़ और राजनांदगांव विकासखंड में स्थित कई उर्वरक विक्रय संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम मुसराखुर्द स्थित मेसर्स लोधी कृषि केन्द्र के गोदाम में 450 बैग यूरिया बिना ओ-फार्म लाइसेंस में दर्ज कराए भंडारित पाया गया। उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के उल्लंघन पर यूरिया जब्त कर गोदाम सील कर दिया गया। वहीं ग्राम मोहारा स्थित मेसर्स महादेव कृषि केन्द्र में पॉश मशीन और भौतिक स्टॉक में अंतर मिलने पर 36 बोरी यूरिया, 28 बोरी डीएपी और 99 बोरी एनपीके उर्वरक जब्त कर विक्रय परिसर को सील किया गया।

आदिवासियों के बेहतर स्वास्थ्य को समर्पित रहा है इस दंपति का जीवन

बस्तर में जनसेवा के पर्याय बने डॉ गोडबोले को राष्ट्रपति ने सपत्नीक दिया पद्मश्री सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/नई दिल्ली। बस्तर संभाग में जनजातीय स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले डॉ रामचंद्र गोडबोले एवं उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता गोडबोले को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संयुक्त रूप से पद्मश्री सम्मान से विभूषित किया है। उन्हें यह सम्मान चिकित्सा सेवा, कुपोषण उन्मूलन और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए तीन दशकों से अधिक समय से की जा रही सेवा के लिए प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में इन विभूतियों की उत्कृष्टता, समर्पण और अथक सेवा देश के सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ करती है तथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि पद्म पुरस्कार विजेता समाज परिवर्तन के वास्तविक पथ-प्रदर्शक हैं, जिन्होंने अपनी सेवा भावना से 'पीपुल्स पद्म' की अवधारणा को साकार किया है।

मूलतः महाराष्ट्र निवासी डॉ. रामचंद्र गोडबोले, जो आयुर्वेद चिकित्सक (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी-बीएएमएस) हैं, तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता गोडबोले, जिन्होंने मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) की शिक्षा प्राप्त की है, ने वर्ष 1990 में विवाह के तुरंत बाद छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले स्थित बारसूर क्षेत्र में जाकर जनजातीय समाज की सेवा का संकल्प लिया था। वनवासी कल्याण आश्रम के पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में डॉ. गोडबोले ने अबूझमाड़ क्षेत्र के समीप एक छोटे क्लिनिक से अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ की और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव वाले क्षेत्रों में गरीब आदिवासी मरीजों का निःशुल्क उपचार किया।

प्रारंभिक 12 वर्षों में उन्होंने 3,000 से अधिक गंभीर रूप से बीमार आदिवासियों का उपचार किया। उन्होंने जंगलों के भीतर 114 से अधिक विशाल चिकित्सा शिविर आयोजित किए, जिनके माध्यम से 9,000 से अधिक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा 400 से अधिक गंभीर मरीजों को रायपुर के चैरिटेबल अस्पतालों में भेजकर उपचार उपलब्ध कराया गया।

श्रीमती सुनीता गोडबोले ने 'गोंडी' और 'हलबी' सीखकर जनजातीय महिलाओं और बच्चों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया। उनके प्रयासों से बस्तर के तीन जिलों के 37 विद्यालयों के लगभग 2,000 बच्चे प्रतिवर्ष स्वास्थ्य और कुपोषण उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं।

धरपकड़ के बीच निकाला बीच का रास्ता, पंचायत की एनओसी पर ही मिलेगी निर्माण कार्यों के लिए रेत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अवैध रेत निकासी, परिवहन और विक्रय पर सख्त कार्रवाई के बीच सरकार ने निर्माण कार्यों को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए बीच का रास्ता निकाला है। निर्माण कार्यों के लिए रेत अब तभी लाई जा सकेगी जब पंचायत इसकी अनुमति प्रदान करे।

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड स्थित बोरसी में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में सुशासन और विकास की झलक देखने को मिली। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित इस शिविर में आसपास के 14 गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे और अपनी समस्याओं, मांगों तथा शिकायतों से संबंधित कुल 1059 आवेदन प्रशासन को सौंपे। इनमें अधिकांश मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों को लाभ भी वितरित किया गया।

कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार का उद्देश्य गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने अवैध मुरूम और रेत उत्खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत की एनओसी के आधार पर प्रधानमंत्री आवास और अन्य निर्माण कार्यों के लिए नागरिकों को रेत उपलब्ध कराने की सुविधा दी जाएगी।

विधायक ने ग्राम पंचायत टेका के आश्रित ग्राम कपसीडीह को स्वतंत्र राजस्व ग्राम बनाने तथा आने वाले समय में सेम्हराडीह को भी राजस्व ग्राम बनाने के लिए अपनी ओर हरसंभव पहल करने की बात कही। उन्होंने बताया कि जिले में अगले दो वर्षों में लगभग 45 हजार प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जाएगा। वहीं किरवई में 50 एकड़ भूमि पर कृषि महाविद्यालय और गरियाबंद में आधुनिक नालंदा परिसर विकसित किया जाएगा।

उच्च स्तरीय छानबीन समिति की आगामी बैठक 1 जून को होगी आयोजित

रायपुर। आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की आगामी बैठक अब 1 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। पूर्व निर्धारित बैठक 26 मई 2026 को आयोजित होना प्रस्तावित थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। समिति की अगली बैठक 1 जून सोमवार को दोपहर 12:30 बजे संचालनालय, आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर-24, नवा रायपुर अटल नगर के सभाकक्ष में आयोजित होगी। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव, सचिव सह-अध्यक्ष उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहेंगे। सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

'पोट्ठ लईका' के आए सुखद परिणाम नांदगांव में 3.68 फीसद घटा कुपोषण

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के संकल्प के साथ संचालित किए जा रहे 'पोट्ठ लईका पहल' अभियान के अत्यंत सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। जून 2025 से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के तहत सामूहिक प्रयासों और जनजागरूकता गतिविधियों की बदौलत जिले की कुपोषण दर में 3.68 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

इस अभियान की सफलता के पीछे महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा एनआरएलएम का बेहतरीन समन्वय रहा है। प्रत्येक गुरुवार को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में 'पालक चौपाल' का आयोजन किया जाता है। पोषण का पाठ इन चौपालों में अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए तिरंगा भोजन के महत्व, स्थानीय पौष्टिक आहार, निरंतर स्तनपान और एनीमिया (खून की कमी) की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

इसके साथ ही, चिन्हित बच्चों और माताओं को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जरूरी दवाइयां व सप्लीमेंट्स भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कुपोषण के आंकड़ों में ऐतिहासिक सुधार जून 2025 में जब यह अभियान शुरू हुआ था, तब 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 55,797 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर 9,751 बच्चों को कुपोषित श्रेणी में चिन्हित किया गया था। मार्च 2026 तक की वर्तमान स्थिति में यह संख्या घटकर केवल 5,146 रह गई है।

मार्च 2026 की वर्तमान स्थिति में जिले के 0 से 5 वर्ष के कुल 55 हजार 247 बच्चों में गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या घटकर 328, मध्यम कुपोषित 3 हजार 848, सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रिशन से प्रभावित 128 तथा मॉडरेट एक्यूट मालन्यूट्रिशन से प्रभावित 842 रह गई है। वर्तमान में जिले में कुल 5 हजार 146 बच्चे कुपोषित श्रेणी में हैं। जून 2025 में जिले में कुपोषण का प्रतिशत 11.23 था, जो मार्च 2026 तक घटकर 7.55 प्रतिशत हो गया है। इस प्रकार 'पोट्ठ लईका पहल' अभियान के माध्यम से जिले में कुपोषण दर में 3.68 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। जून 2025 में जिले में कुपोषण का कुल प्रतिशत 11.23 प्रतिशत था, जो लगातार और नियोजित प्रयासों से मार्च 2026 तक घटकर 7.55 प्रतिशत पर आ गया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत हो रहा पर्यटन क्षेत्र का विकास

भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्यों का डिप्टी सीएम शर्मा किया औचक निरीक्षण, बैठक में किया मंथन

- भोरमदेव मंदिर के इतिहास की झलक दिखे संग्रहालय में - उप मुख्यमंत्री
- लैंडस्केपिंग के अनुसार छायादार वृक्षारोपण के दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। स्वदेश दर्शन योजना के तहत भोरमदेव क्षेत्र में चल रहे 146 करोड़ रुपए के भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव स्थित सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर से पहुंचे पर्यटन विभाग के एमडी विवेक आचार्य भी मौजूद रहे।

बैठक के पहले उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, निर्माण एजेंसीज के इंजिनियर्स और ठेकेदारों के साथ पूरे प्रोजेक्ट एरिया का भ्रमण कर चल रहे कार्यों का विस्तार से मुआयना किया। जिसके पश्चात उन्होंने बैठक लेकर परियोजना के हर हिस्से पर चल रहे काम और आगे की कार्ययोजना की बारी-बारी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मंदिर परिसर, प्रवेश द्वार, संग्रहालय, पर्यटक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों के प्रोजेक्ट प्लान के अनुसार बेस वर्क, परिसर की लैंडस्केपिंग व वृक्षारोपण, सरोवर के सौंदर्यीकरण जैसे बिंदुओं पर मैराथन समीक्षा हुई।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना आने वाले कई सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है, इसलिए हर कार्य मजबूत, टिकाऊ और मानक अनुसार होना चाहिए।

उन्होंने सख्त और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और इसके लिए पर्याप्त मशीनरी और मानव संसाधन बढ़ाया जाए। किसी भी स्थिति में कार्य में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य कोई समस्या आती है तो उसकी जानकारी तुरंत दी जाए, आवश्यक काम प्रभावित नहीं होना चाहिए।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने हर सोमवार होने वाली प्रगति मॉनिटरिंग की जानकारी ली और अब तक हुए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से फील्ड में मौजूद रहें और निर्माण कार्य की लगातार निगरानी करें। उन्होंने पर्यटन विभाग के इंजीनियरों को भी निर्देशित किया कि वे निर्माण एजेंसियों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएं ताकि कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों बनी रहे। बैठक के दौरान मंदिर परिसर, सरोवर, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ तथा सरोदा डैम से जुड़े निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई और उनकी प्रगति पर चर्चा हुई।

रंग लाई किसानों की सामूहिक पहल

राजनांदगांव का ग्राम घुपसाल बन गया मिसाल कम पानी वाली फसलों से बढ़ गया भू-जलस्तर

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड स्थित ग्राम घुपसाल ने जल संरक्षण और टिकाऊ खेती (सस्टेनेबल फार्मिंग) की दिशा में पूरे प्रदेश के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। पारंपरिक और अधिक पानी की खपत वाली धान की फसल के चक्रव्यूह से बाहर निकलते हुए यहाँ के किसानों ने रबी सीजन में एक सामूहिक व ऐतिहासिक निर्णय लिया।

किसानों ने धान के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली मक्का, दलहन और तिलहन की फसलों को अपनाया, जिसके अत्यंत सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। इस अभिनव पहल से न केवल ग्राम का भू-जल स्तर सुधरा है, बल्कि पेयजल और निस्तारी की पुरानी समस्या का भी स्थायी समाधान हो गया है।

ग्राम घुपसाल के इस सफल नवाचार की गूंज प्रशासनिक हलकों तक भी पहुँची। जिला कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने स्वयं ग्राम घुपसाल का दौरा कर किसानों के इस अनूठे प्रयास का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति देखी और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर खेती की नई पद्धतियों तथा उनके अनुभवों की जानकारी ली।

वर्तमान समय में पर्यावरण और जल संकट को देखते हुए कम पानी में अधिक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन देने वाली फसलों को अपनाना समय की मांग है। इससे न केवल खेती की लागत (इनपुट कॉस्ट) कम होती है, बल्कि वैकल्पिक फसलों के बेहतर बाजार मूल्य से किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। ग्राम घुपसाल का यह क्रॉप डायवर्सिफिकेशन (फसल विविधीकरण) मॉडल पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक अनुकरणीय मिसाल है।

ग्रामीणों ने अपने पुराने कड़वे अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि पूर्व में गर्मी का मौसम आते ही गांव में हाहाकार मच जाता था। मार्च का महीना बीतते-बीतते गांव के तालाब, हैंडपंप और बरसाती नाले पूरी तरह सूख जाते थे, जिससे पेयजल और मवेशियों के निस्तारी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती थी।

इस वर्ष गांव के किसानों ने एकजुट होकर 350 एकड़ से अधिक रकबे में धान की खेती पूरी तरह बंद कर दी और उसकी जगह कम पानी वाली फसलें लीं। इसका सीधा असर यह हुआ कि जमीन के भीतर का पानी सुरक्षित रहा और भू-जल स्तर ऊपर आ गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक बताया कि जिन तालाबों में फागुन (मार्च) के बाद धूल उड़ती थी, वहाँ इस वर्ष अप्रैल के अंत में भी पर्याप्त पानी भरा हुआ है।

मनरेगा से बनी पक्की नहर, बदल गई खेतों की सूरत

800 मीटर लंबी नाली से 250 एकड़ भूमि तक पहुंचा सिंचाई का पानी

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के प्रयास अब किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। बलरामपुर जिले के विकासखण्ड शंकरगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत खैराडीह में निर्मित पक्की सिंचाई नाली किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरी है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के अंतर्गत लगभग 800 मीटर लंबी पक्की सिंचाई नाली का निर्माण कराया गया। इस पहल से गांव के किसानों को अब खेतों तक समय पर और नियमित रूप से पानी उपलब्ध हो रहा है।

पहले किसान बारिश पर निर्भर होकर खेती करते थे तथा नहर का पानी खेतों तक पहुंचाने के लिए अस्थायी कच्ची नालियां बनानी पड़ती थीं। हर वर्ष बारिश और टूट-फूट के कारण इन नालियों को नुकसान पहुंचता था, जिससे किसानों की मेहनत और लागत दोनों बढ़ जाती थी।

ग्रामीणों की मांग पर निर्मित पक्की नाली ने अब इस समस्या का स्थायी समाधान कर दिया है। वर्तमान में इस नाली के माध्यम से लगभग 200 से 250 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो रही है, जिससे गांव के 11 किसान सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। खेतों तक सुचारु रूप से पानी पहुंचने से फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसान अब खरीफ के साथ-साथ रबी सीजन में भी खेती कर पा रहे हैं।

किसानों का कहना है कि सिंचाई सुविधा बेहतर होने से खेती की लागत घटी है और उत्पादन बढ़ा है। इससे उनकी आय में वृद्धि होने के साथ आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। ग्रामीणों ने मनरेगा के तहत कराए गए इस कार्य को गांव के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

जिले में मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण, सिंचाई विस्तार और ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास के ऐसे स्थायी कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और किसानों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।

खरीफ की तैयारी में किसानों को नहीं होगी परेशानी, जरीकेन और ड्रम में मिलेगा डीजल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खेतों की जुताई के लिए ट्रैक्टरों तथा सिंचाई पंपों हेतु किसानों को आवश्यकता अनुसार डीजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि खेती-किसानी के कार्य प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और खरीफ सीजन की तैयारी में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने खाद्य विभाग, जिला प्रशासन तथा ऑयल कंपनियों को निर्देशित किया है कि किसानों को डीजल समय पर और बिना किसी कठिनाई के उपलब्ध कराया जाए।

उल्लेखनीय है कि खाद्य विभाग द्वारा 22 मई 2026 को जारी निर्देशानुसार पेट्रोल एवं डीजल के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से प्रदेश के 2516 पेट्रोल-डीजल पंपों से ड्रम एवं जरीकेन में ईंधन प्रदाय पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि किसानों की जरूरतों और खरीफ सीजन की तैयारियों को देखते हुए इस व्यवस्था में आवश्यक छूट प्रदान की गई है, ताकि खेतों की जुताई, बोवाई और सिंचाई कार्य बाधित न हों।

खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में प्रदेश में 4 करोड़ 03 लाख लीटर पेट्रोल तथा 5 करोड़ 55 लाख लीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950